

न्यूज़INब्रीफ

विजया दशमी पर महिलाओं ने किया सिंदूर दान, की सुख- समृद्धि की कामना



मुरी : छोटा मुरी दुर्गा पंडाल में बंगाली परम्परा के अनुसार विजया दशमी के दिन अंतिम विदाई पर मां दुर्गा को महिलाओं ने सिंदूर देकर भावभिनी विदाई दी। आसते बोझोर आमार होवे की उदघोष किया गया। महिलाओं ने एक- दूसरे को सिंदूर लगाया। बुजुर्ग महिलाओं से आशीर्वाद लिया। इसके अलावा मां दुर्गा के अंतिम दर्शन को आये लोगों ने सुख समृद्धि की कामना की।

दुर्गा पूजा शांतिपूर्वक संपन्न होने पर किया आभार व्यक्त



मुरी: रांची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष तपेश्वर केशरी ,महासचिव बীরेंद्र साहु एवं कार्यकारी अध्यक्ष रमण साहु ने 18 प्रखंडों समिति को दुर्गा पूजा संपन्न होने पर ग्रामीण क्षेत्र के पूजा समिति एवं आयोजकों के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया है। रांची ग्रामीण क्षेत्र में दुर्गा पूजा उत्सव के साथ ही जगह- जगह रामायण पाठ, रामलीला एवं रावण दहन जैसे कार्यक्रम सम्पन्न हुए, नशा मुक्त,शांतिपूर्ण एवं आपसी सौहार्दपूर्ण वातावरण में भाईचारा के साथ मनाया गया। इसके लिए भी रांची के उपायुक्त मंजु नाथ भजंत्री, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक गौरव गोस्वामी , सदर अनुमंडल दंडाधिकारी रांची रजत कुमार , अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था रांची धनंजय ,अनुमंडल पदाधिकारी बुंदू मोहन लाल मरांडी , रांची ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थापित सभी पुलिस उपाधीक्षक गण, जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारीगण, अंचल अधिकारीगण,संबंधित थाना के प्रभारियों के साथ ही पूजा में अपनी सेवा देकर भागीदारी सुनिश्चित करने वाले सभी जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन के कनीय अधिकारियों ,कर्मियों , स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही विद्युत विभाग के प्रति रांची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति ने आभार व्यक्त किया ।

राज्यपाल से मिले देवेन्द्र नाथ महतो



मुरी : केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष एवं आंदोलनकारी नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने महामहिम राज्यपाल से मुलाकात कर पीपीके कॉलेज, बुंदू की 7/3 एनसीसी यूनिट का निलंबन समाप्त कर पुनः शुरू करने एवं निरंतर संचालन सुनिश्चित करने की मांग रखी। इस दौरान उन्होंने ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र के विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस गंभीर विषय पर राज्यपाल महोदय का ध्यान आकृष्ट कराया।देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि पीपीके। कॉलेज, बुंदू में पिछले लगभग 41 वर्षों से संचालित एनसीसी यूनिट को बंद करना पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों के सपनों और अवसरों को छीनने जैसा है। यह केवल एक कॉलेज की यूनिट का मामला नहीं, बल्कि बुंदू, तमाड़, सिल्ली, राहे, सोनाहातू एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा विषय है।उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र मुख्य रूप से किसान, मजदूर और गरीब परिवारों का है। यहां के विद्यार्थियों के लिए एनसीसी अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। ग्रामीण विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के सीमित अवसरों के बीच चार दशकों से संचालित इस यूनिट का बंद होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है, जहां 3 झारखंड बटालियन एवं संबंधित एनसीसी कमान अब पीपीके। कॉलेज, बुंदू में एनसीसी संचालन जारी रखने के इच्छुक नहीं हैं। इस पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को इसका खामियाजा न भुगतना प देवेन्द्र नाथ महतो ने बताया कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग एवं विश्वविद्यालय को पत्र लिखने का आश्वासन दिया है।

चोर गिरोह का खुलासा, 7 गिरफ्तार

गिरिडीह: एक के बाद एक गृहभेदन कर पुलिस की नौद उड़ाने वाले अपराधी गिरोह के सदस्यों को गिरिडीह पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसपी डॉ। बिमल कुमार की टीम ने इस मामले में 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए चोरी का सामान बरामद किया है। इसकी जानकारी एसपी डॉ। बिमल कुमार ने दी है। गिरोह को पड़कने के लिए गठित की गई थी एसआईटी: एसपी ने बताया कि विगत दिनों बगोदर-सरिया एवं खोरीमहुआ अनुमंडल के विभिन्न ग्राम क्षेत्र में घटित चोरी की घटना घटी थी। ऐसे में इस तरह के अपराध पर रोक के लिए विशेष छापेमारी दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। टीम को सरिया-बगोदर एसडीपीओ धनंजय राम एवं खोरी महुआ एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार लीड कर रहे थे। टीम कांड को अंजाम देने वाले की तलाश कर रही थी। अपराधियों की बाइक और मोबाइल से मिला सुराग: इसी दरमियान 16 अक्टूबर की रात सरिया थाना एवं भरकट्टा ओपी गश्ती दल द्वारा बगोडीह में चोरी की घटना को अंजाम देकर भाग रहे अपराधकर्मियों का पीछा किया गया। पुलिस को पीछे देख अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले लेकिन उनकी एक बाइक, लोहे का औजार, कीपैड मोबाइल एवं अन्य सामग्री को बरामद कर लिया गया है। यहां से पुलिस को बड़ी लीड मिली। तकनीकी सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान: पुलिस ने मानवीय एवं तकनीकी सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी अभियान चलाया। अभियान सफल रहा और चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह का पदार्पण करते हुए गिरोह के कुल 7 अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया।

मां को अंतिम विदाई देकर रांची लौटे मुख्यमंत्री

संवाददाता
रामगढ़ : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बीते करीब दो सप्ताह अपने पैतृक गांव नेमरा में बिताया। मां रूपी सोरेन के निधन के बाद मुख्यमंत्री ने पूरे पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार से लेकर श्राद्ध और संस्कार भोज तक की रस्में निभाईं। इस दौरान वे परिवार और ग्रामीणों के बीच मौजूद रहे, वहीं गांव से ही सरकारी कार्यों और व्यवस्थाओं पर भी नजर बनाए रखी। अब मां को अंतिम विदाई देने और पारिवारिक संस्कारों को पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री 14वें दिन नेमरा से रांची लौट गए हैं। मां के निधन के बाद नेमरा में बिताया 14 दिन: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन के

निधन के बाद सोरेन परिवार शोक में डूब गया था। सात अक्टूबर को मां के निधन के बाद आठ अक्टूबर को मुख्यमंत्री अपनी मां के पार्थिव शरीर के साथ पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। यहां पूरे पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। मुख्यमंत्री ने स्वयं अपनी मां को मुखाग्नि दी और इसके बाद परिवार की परंपराओं के अनुरूप आगे के संस्कारों में शामिल रहे। पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ निभाया राजधर्म: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नेमरा प्रवास केवल पारिवारिक संस्कारों तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन जारी रखा। पैतृक गांव में रहते हुए



वे सरकारी कार्यों, प्रशासनिक गतिविधियों और जरूरी व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे। संस्कार भोज के दौरान भी उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और दूर-दराज से पहुंचे लोगों से

मुलाकात की। 14वें दिन नेमरा से रांची लौटे मुख्यमंत्री: मां के अंतिम संस्कार से

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि, परिजनों को किया गया सम्मानित



उपायुक्त संदीप कुमार और एसपी कुमार गौरव ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर जवानों के बलिदान को किया नमन

लातेहार : पुलिस लाइन, लातेहार में बुधवार को पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार और पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस एवं प्रशासन के पदाधिकारियों और जवानों ने दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को नमन

के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा, शांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी। उनका साहस, त्याग और कर्तव्य के प्रति समर्पण पुलिस बल के प्रत्येक जवान को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस बल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहीद जवानों के आदर्शों का अनुसरण करते हुए पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। शहीद परिवारों को अंगवस्त्र और उपहार देकर किया सम्मानित: कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त संदीप कुमार और पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उनके प्रति सम्मान एवं संवेदन व्यक्त की। इस दौरान शहीद परिवारों को अंगवस्त्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और जवानों ने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों के त्याग, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को सदैव स्मरण रखने का संकल्प लिया। पुलिस संस्मरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम ने शहीदों के प्रति सम्मान और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता के भाव को पुनः व्यक्त किया।

गर्भवती प्रेमिका को कुएं में धकेलकर भागा प्रेमी, रातभर तड़पती रही युवती

लोहरदगा: जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र में एक युवक पर अपनी गर्भवती प्रेमिका को कुएं में धकेलकर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगा है। घटना झालजमीरा पंचायत के झालजमीरा पीपर टोली गांव की है। पीड़िता के अनुसार, वह युवक पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने सोमवार की रात उसे एक सुनसान जगह पर स्थित गहरे कुएं में धकेल दिया और मौके से फरार हो गया। युवती पूरी रात कुएं में फंसी रही। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने उसकी आवाज सुनकर उसे रस्सी के सहारे बाहर निकाला। सोशल मीडिया के जरिये हुई थी जान-पहचान:

पीड़िता ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिये उसकी पहचान आरोपी युवक से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। इसी दौरान युवती गर्भवती हो गयीं। इसके बाद वह युवक पर शादी करने का दबाव बनाने लगीं। आरोप है कि सोमवार की रात युवक उसे गांव के एक सुनसान स्थान पर ले गया और गहरे कुएं में धकेलकर भाग निकला। पूरी रात कुएं में फंसी रही युवती: मंगलवार की सुबह ग्रामीण खेतों में काम करने जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें कुएं से युवती के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर रस्सी की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाला। पूरी रात कुएं में रहने के कारण युवती की

हालत बिगड़ गयी थी। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सेन्हा पहुंचाया। मां और गर्भस्थ शिशु सुरक्षित3 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने युवती का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार, प्राथमिक जांच के बाद उसकी हालत खररे से बाहर बतायी गयी। जांच में युवती के गर्भवती होने की भी पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने गर्भस्थ शिशु को भी सुरक्षित बताया है। पुलिस पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

बड़कागढ़ स्टेट के ऐतिहासिक दुर्गा पूजा व दशहरा विजय उत्सव समारोह का आयोजन

मेट्रो रेज
रांची : बड़कागढ़ स्टेट की स्थापना 1691 ईस्वी में ठाकुर ऐनी नाथ शाहदेव द्वारा की गई थी। 1857 ईस्वी में अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव रूल ऑफ़ प्राइमोजेनिचर के तहत बड़कागढ़ स्टेट के राजा बने थे। इसी वर्ष प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ी गई थी पूरे छोटानागपुर में अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के नेतृत्व में और उन्होंने छोटा नागपुर को अंग्रेजों से मुक्त कर स्वतंत्र राज्य की स्थापना की थी। अंग्रेजों के द्वारा अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को पकड़ कर 16 अग्रेल 1858 ईस्वी में जिला स्कूल रांची के प्रांगण में सरे आम फांसी दे दी गई थी। तत्पश्चात उनकी धर्मपत्नी एक वर्ष के अपने बालक कपिलनाथ शाहदेव को लेकर अज्ञातवास को चली गई थी। 12 साल बीतने के पश्चात वह अंग्रेजों के सामने आईं तब अंग्रेज सरकार ने जगन्नाथपुर के समीप एक मिट्टी का मकान बनाकर उनके रहने की व्यवस्था



होते थे। अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव अपने हटियागढ़ में मां भगवती चिंतामणि की पूजा के उपरांत प्रसाद बनाया जाता था। एवम् आएँ हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों और ग्रामीणों को पूजा के पश्चात बड़े आदर के साथ प्रसाद ग्रहण कराया जाता था। एवम् सभी को विजयादशमी की शुभकामनाएं दी जाती और पान खिला कर विदा किया जाता था। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज पुरोहित सदन गोपाल शर्मा ने राज

परिवार के सभी लोगों को अपराजिता बांधा। परंपरा के अनुसार परिवार की बहू एवं बेटियों को अपराजिता घर में जाकर राजपुरोहित बांधेंते है एवं सौभाग्यवती एवं विजई भव: का आशीर्वाद देते है। उसी परंपरा को जीवंत रखते हुए बड़कागढ़ रियासत के उत्तराधिकारी श्री राजेशनाथ शाहदेव ने हर साल की भांति इस साल भी इस समारोह का आयोजन किया। इस बार भी

विजयदशमी के दिन विजयादशमी महोत्सव का आयोजन अपने हटिया स्थित निवास पर किए। जैसा कि हम सभी जानते है की रावण पर विजय पाने के लिए भगवान श्री राम ने नौ दिनों तक मां दुर्गा की उपासना की और 10वें दिन रावण का वध किया था। उसके बाद ही नवरात्रि की दशमी तिथि को दशहरा का पर्व मनाया जाने लगा। जो बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। पूरे 9 दिन तक विशेष रूप से मां

लेकर आगे के पारंपरिक अनुष्ठानों तक परिवार के साथ समय बिताने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब अपने पैतृक गांव नेमरा से रांची लौट गए हैं। करीब दो सप्ताह तक गांव में रहकर उन्होंने अपनी मां को अंतिम विदाई देने के साथ पारिवारिक परंपराओं के अनुरूप सभी जरूरी संस्कारों में हिस्सा लिया।

कल्पना सोरेन ने बताया जड़ों और परंपराओं का महत्व: इसी बीच उनकी पत्नी गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, हमें हमेशा अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़े रहना चाहिए।

ब्रह्माकुमारी के 90 साल पर विशाल वैश्विक शिखर सम्मेलन कल से

अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय में विश्व के कई देशों से जुटेंगी नामचीन हस्तियां

केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, राज्यों के मंत्री सहित 40 से अधिक सांसद-विधायक लेंगे भाग

आबूरोड : ब्रह्माकुमारीज संस्थान के 90 साल पूरे होने पर अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में विशाल वैश्विक शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को लेकर शांतिवन परिसर में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन स्थल डायमंड हाल में विशेष रूप से भव्य स्टेज तैयार बनाया जा रहा है। इस वैश्विक शिखर सम्मेलन में विश्व के कई देशों से बृह हजार से अधिक धर्म, अध्यात्म, राजनीति, समाजसेवा, पर्यावरण, विज्ञान, व्यापार और शिक्षा जगत से जुड़ी नामचीन हस्तियां जुटेंगी। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ बोके मल्टुंजय भाई ने बताया कि विशाल स्तर पर आयोजित किया जा रहा वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बार कई मायनों में खास होने जा रहा है। विश्व नवनिर्माण के लिए आध्यात्मिक जागृति विषय पर आयोजित इस समारोह में कई विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसका केंद्रबिंदु ब्रह्माकुमारीज की 90 वर्ष की दिव्य सेवा यात्रा रहेगा। सम्मेलन का स्वागत सत्र 23 अक्टूबर को शाम 6।30 बजे से होगा। शुभारंभ 24 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से होगा। समापन सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शामिल होंगे। मंत्री, राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री भी होंगे शामिल: सम्मेलन के विभिन्न

बाह्राकुमारी के 90 वर्ष की यात्रा: ब्रह्माकुमारी की यह शून्य से शिखर की 90 वर्ष की दिव्य सेवा यात्रा कई मायनों में अद्भुत, प्रेरक और सेवा साधना की मिसाल है। वर्ष 1936 में अध्यात्म की यह ज्योति प्रज्ज्वलित हुई, जिसका दिव्य प्रकाश, आभा, सकारात्मक और पवित्र ऊर्जा आज विश्व के 140 देशों में प्रकाशमान है। संकल्प से सिद्धि की इस महान यात्रा में स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का नारा परिवर्तन का केंद्र रहा। ब्रह्माकुमारिज की नीव वर्ष 1936 में दादा लेखराज ने रखी, जिन्हें प्यार से सभी ब्रह्मा बाबा के नाम से जानते हैं।

चिंतामणि की आराधना करने के बाद दसवें दिन दशहरा मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में सभी गणमान्य और ग्रामीण व्यक्तियों आकर मां भगवती चिंतामणि का प्रसाद स्वरूप सहभोज ग्रहण करने के बाद सभी को पान खिलाने के तत्पश्चात विदा किया जाता है। राजपुरोहित सदन गोपाल शर्मा ने राज परिवार के सभी लोगों को अपराजिता बांधकर सुख समृद्धि का आशीर्वाद दिए। संस्था के समय परंपरा के अनुसार परिवार की बहू एवं बेटियों को अपराजिता घर में जाकर राजपुरोहीत ने बांधे एवं सौभाग्यवती, सुख समृद्धि एवं विजई भव का आशीर्वाद दिया। इस समारोह में मुख्य रूप से लाल सचिंद्र देव, मीरा देवी, राखी शाहदेव, रेखा देवी, विपिन कुमार, लाल धर्मेन्द्र देव, लाल सुरेंद्र देव, सदन गोपाल शर्मा, शैलेंद्र शाहदेव, शान प्रताप, मयंक प्रताप, हरेंद्र भंजदेव, लता भांजदेव, प्रदीप जयसवाल, भीखम उरांव व अन्य सम्मिलित हुए।



रांची में शुरू हुई राष्ट्रीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 28 टीमों दिखा रही दम, राज्यपाल ने किया उद्घाटन

रांची में दिल्ली के एक बड़े वाहन चोर गिरोह का खुलासा

वाहन चोर गिराह के मास्टरमाइंड के घर दिल्ली पुलिस की छापेमारी, दो थार और चार बाइकें जब्त, आरोपी फरार

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची में दिल्ली के एक बड़े वाहन चोर गिरोह का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने रांची के कैंथ काथा क्षेत्र स्थित सुधाना सिटी में छापेमारी कर इस अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के मास्टरमाइंड के घर पर दबिशा दी, हालांकि, मुख्य आरोपी पुलिस के हाथ नहीं लग सका और वह मौके से फरार होने में कामयाब रहा। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से चोरों के दो हाई-एंड वाहन (थीर) और कार दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।

कैसे हुआ खुलासा ? : सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में लगातार महंगी गाड़ियों की चोरी की घटनाएँ सामने आ रही थीं। जांच के दौरान दिल्ली पुलिस को सुराग मिला कि इन चोरियों के तार रांची से जुड़े हैं और गिरोह का मास्टरमाइंड रांची में रहकर इस पूरे नेटवर्क को ऑपरेट



दोपहि या
वाहन भी
ब्रामद किए,
जिन्हें अलग-
अलग जगहों
से चुराया गया
था। पुलिस
का मानना है
कि ये गाड़ियां
दिल्ली और
आसपास के
इलाकों से
चार्जर्ड गर्ड थीं

जिन्हें रांची लाकर ठिकाने लगाने
या इनके पाटर्स बेचने की योजना
थी।

आरोपी की तलाश जारी: मुख्य आरोपी फिलहाल पुलिस की पकड़ से बाहर है। दिल्ली और रांची की पुलिस संयुक्त रूप से उसकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस अवैध धंधे में रांची या आसपास के अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

कर रहा है। इसी इनपुट के आधार पर दिल्ली पुलिस की एक विशेष टीम रांची पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से कर्क के सुहाना सिटी स्थित आरोपी के आवास पर अचानक छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के घर और उसके आसपास खड़े वाहनों की तलाशी ली। इस दौरान पुलिस ने दो थार गाड़ियां जन्न कीं, जिन पर फोनी नंबर प्लेट होने या चोरी के हकीकत का संदेह है। चार

रांची छठ महापर्व से पहले नगर निगम अलर्ट

घाटों पर लाल फीते से लगेंगे खतरे के निशान, स्ट्रीट लाइट भी होंगी दुरुस्त

संवाददाता

रांची: महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर के विभिन्न तालाबों और छठ घाटों की साफ-सफाई के साथ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। निगम प्रशासन का लक्ष्य है कि छठ पर्व शुरू होने से पहले सभी घाटों को व्यवस्थित कर श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह तैयार कर दिया जाए। इसी लेकर नगर आयुक्त से संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

घाटों की सफाई और आपस की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश : नगर आयुक्त ने अधिकारियों और कर्मचारियों को साथ निर्देश दिया है कि महावर के दौरान किसी भी छुट घाट पर व्यवस्था में कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी घाटों की बेहतरीन से साफ-सफाई कराने के साथ आपसा के क्षेत्रों में भी नियमित सफाई सुनिश्चित करने के



व्यवस्था में कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी घाटों की बेहतर तरीके से साफ-सफाई कराने के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी नियमित सफाई सुनिश्चित करने को

कहा गया है। निगम प्रशासन को घाटों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और श्रद्धालुओं को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश

दिया गया है।

गहरे पानी वाले घाटों पर लाल फीते से लगाए जाएंगे खतरे के निशान: श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर आयुक्त ने

उपायुक्त ने ईवीएम वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था दुरुस्त रखने का दिया निर्देश

संवाददाता

सिमडेगा: जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने जिले में स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, निगरानी तंत्र एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता की जांच की। साथ ही सुरक्षा ईंटजामों, निगरानी उपकरणों तथा निर्वानच सामग्री से संबंधित अभिलेखों के संधारण की स्थिति की भी समीक्षा की।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा और रखरखाव के प्रति पुरा



संधारण की स्थिति की भी समीक्षा की।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा और रखरखाव के प्रति परी

सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वेयरहाउस की निगरानी व्यवस्था हमेशा दुरुस्त रहनी चाहिए तथा सीसीटीवी कैमरों सहित सभी सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच

निगरानी एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के प्रभावी संधारण के प्रति विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री पवन कुमार महतो उपस्थित रहे।

मेक इन इंडिया से विकसित भारत 2047 तक का संकल्प, रांची में स्वर्णिम भारत एक्सपो का आगाज

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में गुरुवार को तीन दिवसीय स्वर्णिम भारत एक्सपोजे-2026 का शुभारंभ हुआ। रांची क्लब लिमिटेड में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोषा गंगवार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यह एक्सपो 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य केंद्र



सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, सरकारी संस्थानों की उपलब्धियों, वैज्ञानिक प्रगति और देश के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण पहलुओं को आम लोगों तक पहुंचाना है।

प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को भारत की विकास यात्रा, आधुनिक तकनीक, नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वर्णिम भारत एक्सपो का उद्देश्य मेक इन इंडिया से विकसित भारत 2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। इसके

माध्यम से देश में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही प्रगति के प्रति लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया जा रहा है।

तीन दिनों तक चलने वाली इस राष्ट्रीय प्रदर्शनी के जरिए आम नागरिकों को केन्द्र सरकार की योजनाओं और देश की विकास संबंधी उपलब्धियों को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। रांची में इस आयोजन को देश की प्रगति, आत्मनिर्भर भारत और विकासित भारत के लक्ष्य से जोड़कर देखा जा रहा है।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

धर्मांतरण व आरक्षण का सवाल सिर्फ कानूनी नहीं

सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला आया है कि हिंदू धर्म छोड़ किसी गैर-हिंदू धर्म को अपनाने वाले अनुसूचित जाति या ओबीसी के व्यक्ति को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। यह एक पुराने और संवेदनशील फैसले पर एक बार फिर न्यायिक मुहर लगाता है, पर बहस को खत्म नहीं करता। कोर्ट का यह आदेश तमिलनाडु की तत्कालीन डीएमके सरकार की याचिका पर आया, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसने इस्लाम अपनाने वाले को आरक्षण देने के राज्य सरकार के आदेश को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरक्षण संवैधानिक रूप से चिह्नित वर्ग से जुड़ा अधिकार है, जिसे धर्म बदलने पर साथ नहीं ले जाया जा सकता। कानूनी दृष्टि से यह फैसला चौंकाने वाला नहीं है, क्योंकि यह व्यवस्था पहले से ही है। अदालत का तर्क है कि सामाजिक अपमान की जिस पीड़ा पर आरक्षण टिका है, वह हिंदू समाज की विशेष जातिगत संरचना से उपजी है। इसे छोड़ने के बाद पुरानी स्थिति अपने आप नए धर्म में 'पिछड़ेपन' का प्रमाण नहीं बन जाती। तर्क में वजन है, लेकिन जटिलताएं भी हैं। भारत में जाति का असर हिंदू धर्म तक सीमित नहीं रहा। इस्लाम और ईसाइयत में भी ऊंच-नीच और भेदभाव के प्रमाण मिलते हैं। दलित ईसाइयों और दलित मुसलमानों की शिकायत रही है कि धर्म बदलने से उनके प्रति समाज का व्यवहार रातोरात नहीं बदलता। सवाल यह है कि क्या समानता की संवैधानिक भावना को केवल धार्मिक लेबल से परिभाषित किया जा सकता है? दूसरी ओर, इस तर्क के विरोधियों की चिंताएं भी बेबुनियाद नहीं हैं कि आरक्षण का मूल उद्देश्य हिंदू समाज में सदियों के भेदभाव से हुए नुकसान की भरपाई करना था। धर्मांतरण के बाद भी वही लाभ जारी रहने पर धर्मांतरण को प्रोत्साहन मिलेगा और मौजूदा आरक्षित वर्गों को अपने हिस्से में कटौती का अंदेशा रहेगा। अदालत ने दोनों तर्कों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है। अदालत ने यह नहीं कहा कि अन्य धर्मों के पिछड़े समुदायों को आरक्षण मिल ही नहीं सकता। कई राज्यों में मुस्लिम और ईसाई समुदायों की अनेक जातियां पहले से ओबीसी सूची में हैं और उन्हें इसका लाभ भी मिलता है। इस मुद्दे को वोट बैंक के चश्मे के बजाय संवैधानिक मूल्यों और जमीनी हकीकत की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। अदालत संवैधानिक व्याख्या तक सीमित रही है। धर्मांतरित दलितों के लिए अलग व्यवस्था चाहिए, तो यह संसद व नीति-निर्माताओं के विचार का विषय है। दलित मुसलमानों और दलित ईसाइयों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के अध्ययन के आधार पर शिक्षा और रोजगार जैसी योजनाएं बनें, तो यह बहस सार्थक दिशा में बढ़ेगी। जरूरत ईमानदार आकलन, संवेदनशील नीति और राजनीतिक परिपक्वता की है। अदालत ने ठीक ही कहा कि धर्मांतरित व्यक्ति को आरक्षण का लाभ स्वतः नहीं मिलेगा।

वोट के अधिकार के साथ दें निगरानी के औजार

चुनाव लड़ने के लिए हलफनामे में झूठी जानकारी देना या महत्वपूर्ण जानकारी छिपाना केवल कानून का उल्लंघन ही नहीं, मतदाता के भरोसे के साथ छल भी है। इस संदर्भ में हाल ही सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है कि अब ऐसे मामले में आम नागरिक भी संबंधित के खिलाफ आपराधिक शिकायत का रास्ता अपना सकता है। यानी आम नागरिक चुनावी हलफनामे में दर्ज जानकारी सिर्फ देख ही नहीं सकता, बल्कि इसकी जांच कर तथ्यों को चुनौती भी दे सकता है। नामांकन दाखिल करते समय उम्मीदवार अपनी संपत्ति, देनदारी, आपराधिक मामलों और दूसरी महत्वपूर्ण जानकारीयां सार्वजनिक करता है, उनके आधार पर मतदाता उम्मीदवार के बारे में राय बनाता है। गलत जानकारी केवल व्यक्तिगत बेईमानी ही नहीं है। यह उस भावना को भी कमजोर करता है, जिसमें मतदाता से सही जानकारी के आधार पर निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। अब हलफनामे में गलत जानकारी देने पर केवल चुनाव आयोग या रिटर्निंग ऑफिसर की कार्रवाई पर निर्भर रहने के बजाय नागरिक के लिए भी कानूनी रास्ता स्पष्ट हुआ है। तथ्य और प्रमाण के आधार पर वह कानून का दरवाजा खटखटा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की यह व्यवस्था स्वागत योग्य कही जानी चाहिए। हैरत की बात यह है कि अब तक का प्रावधान ही अपने आप में विचित्र था, जिसमें उम्मीदवार जिसके सम्मुख हलफनामा पेश करते रहे, वे ही इसमें दर्ज जानकारी की शिकायत के रास्ते को लेकर असमंजस में रहे। लोकतंत्र में मतदाता के पास जनप्रतिनिधि के चुनावी दावों की जवाबदेही तय करने के औजार अब तक सीमित ही रहे। इस कमी को बहुत पहले दूर हो जाना चाहिए था। दरअसल, जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही केवल चुनाव तक सीमित नहीं हो सकती। सूचना का अधिकार, सार्वजनिक दस्तावेजों तक पहुंच, जनप्रतिनिधियों के काम पर सवाल और चुनावी घोषणाओं व हलफनामों की पड़ताल- ये सब लोकतंत्र में नागरिक निगरानी के अलग-अलग औजार हैं। इनमें जितनी मजबूती होगी, प्रतिनिधि उतना ही अपने दायित्व के प्रति सजग रहेगा। लोकतंत्र की असली मजबूती तब है, जब नागरिक के पास व्यवस्था की खोट पर सवाल उठाने और जवाब मांगने के प्रभावी रास्ते भी हों। हालांकि इस अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। शिकायत को राजनीतिक प्रतिशोध, दबाव या निराधार आरोपों का माध्यम नहीं बनने दिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने भी ऐसी स्थिति से निपटने की जरूरत बताई है।सच यही है कि जनप्रतिनिधि जनता का मालिक नहीं, उसका प्रतिनिधि है। इसलिए चुनाव के समय उससे सच बोलने की अपेक्षा करना और गलत जानकारी सामने आने पर जवाब मांगने का रास्ता खुला होना लोकतंत्र की बड़ी ताकत है। नागरिक के हाथ में सवाल पूछने के जितने प्रभावी औजार होंगे, लोकतंत्र की जड़ें उतनी ही गहरी होंगी।

खाड़ी की कूटनीतिक रस्साकशी, भारत के लिए चुनौती

भारत के लिए ईरान जहां अन्य क्षेत्रों तक पहुंचने का मार्ग है, वहीं ऊर्जा आपूर्ति और जहाजों की सुरक्षा के लिए जोखिम भी। भारत को अब नपी-तुली बहुआयामी कूटनीति अपनानी होगी। ओमान और कतर के साथ अपने रिश्ते और मजबूत करने होंगे। ओमान और ईरान के बीच जिन कदमों को लेकर सहमति हुई है, उन्हें संस्थागत रूप देने में मदद करनी होगी। यूएई के साथ अपनी साझेदारी को ईंधन भंडार, बंदरगाहों, वित्तीय प्रौद्योगिकी और समुद्री निगरानी के क्षेत्र में ठोस प्रतिबद्धताओं में तब्दील करना होगा। नौसैनिक सुरक्षा, साझा बीमा व्यवस्था और आपातकालीन ईंधन भंडार मजबूत करने होंगे। भारत की खाड़ी नीति अब केवल स्थिर और पृथक द्विपक्षीय संबंधों के सहारे नहीं चल सकती। हालिया हूती हमलों के बाद मक्का समझौते के तहत पश्चिम एशिया में पाकिस्तान को नई सुरक्षा भूमिका मिल गई है।

हर्ष काबरा

सामरिक दुर्बलताएं व राजनीतिक प्रभाव परस्पर विरोधी नहीं होते। सैन्य दबाव में भी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाई जा सकती है। ईरान इसका उदाहरण है। खाड़ी सहयोग परिषद के छह सदस्य देश ईरानी हमलों से त्रस्त हैं, किंतु अपने शहरों, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और समुद्री मार्गों की सुरक्षा के लिए ईरानी कट्टरपंथियों से बातचीत करने को मजबूर भी। यह स्थिति अमरीकी सैन्य उपस्थिति पर निर्भर सुरक्षा रणनीति की कमजोरियां उजागर करती हैं।अमरीका खाड़ी देशों का महत्वपूर्ण सुरक्षा भागीदार है। दुविधा यह है कि अमरीकी सैन्य अंड्रे उन देशों में हैं, जो खुद किसी भी संघर्ष का अखाड़ा बने बिना वाशिंगटन से सुरक्षा चाहते हैं। खाड़ी के देशों ने तेहरान को बार-बार आश्वस्त किया है कि उनकी भूमि का इस्तेमाल ईरान-विरोधी हमलों के लिए नहीं होगा। इसके बावजूद जारी ईरानी हमलों से अविश्वास और संवाद के बीच का विरोधाभास गहरा गया है। ओमान व ईरान हेर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये एक संयुक्त नौवहन गलियारे के साथ यातायात प्रबंधन, सूचना साझा करने और नौवहन सुरक्षा सेवाओं पर बातचीत कर रहे हैं। बारूदी सुरगें हटाने की संयुक्त परियोजना पर सहमत भी हुए हैं। कतर भी ईरान के साथ अपने संबंधों को केवल सैन्य निरोध तक सीमित नहीं रख रहा, हालांकि युद्ध के आरंभ

में ही ईरान ने कतर के प्रमुख गैस केंद्र रास लफान को निशाना बनाया था। महत्वपूर्ण ऊर्जा प्रतिष्ठानों की भेद्यता कतर के लिए कूटनीति की अनिवार्यता को रेखांकित करती है। बहरीन भी ईरान के साथ बातचीत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता रहा है। कुवैत भी कूटनीतिक समाधानों और क्षेत्रीय सहमतियों की ही समर्थन करता आया है। ऐसे में तेहरान से वार्तां उससे राजनीतिक निकटता या उसकी आक्रामकता की स्वीकृति नहीं, बल्कि भावी संकटों के प्रबंधन में निवारक पहल बन जाती है। सऊदी अरब ने पाकिस्तान और तुर्किये के साथ त्रिपक्षीय रक्षा समझौता किया, जिसके तहत किसी भी साझेदार देश पर हमला सभी पर आक्रमण माना जाएगा। यह गठबंधन राजनीतिक एकजुटता तो दिखाता है, पर सैन्य हस्तक्षेप की शर्तों व तत्परता पर मौन है। पाकिस्तान की बाध्यता केवल पवित्र शहरों की सुरक्षा तक सीमित है, जबकि तुर्किये की संसद ने अब तक संधि को मंजूरी नहीं दी है। खाड़ी देश अपने सुरक्षा संबंधों में विविधता लाने के इच्छुक हैं। वे अमरीका से अपना नाता नहीं तोड़ रहे, बल्कि उस पर अतीव निर्भरता के जोखिम को कम कर रहे हैं।

इस व्यवस्था को क्षेत्रीय बहुलवाद पर आधारित सुरक्षा रणनीति के तौर पर देखा जाना चाहिए। संयुक्त अरब अमीरात और ईरान के बीच संभावित वार्ता की खबरें भी यही दशाां हैं। खतरा जितना आसन्न होगा, खाड़ी के देश आर्थिक प्रलोभन और गुप्त संवाद का सहारा लेने के लिए उतने ही तत्पर

होंगे। यह ईरान की रणनीतिक जीत नहीं है। तबाही मचाने की अपनी क्षमता को सौदेबाजी की ताकत में ढालने में ही ईरान का लाभ निहित है। खाड़ी में बदलते समीकरणों से भारत की आर्थिक और कूटनीतिक स्थिति भी पेचीदा हो गई है। बहुपक्षीय संतुलन बनाए रखने की भारत की पारंपरिक नीति तब सबसे प्रभावी थी जब उसके साझेदार सीधे टकराव में नहीं थे। मौजूदा युद्ध और खाड़ी के भू-राजनीतिक पुनर्गठन भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को सीमित करते हैं। भारत के लिए ईरान जहां अन्य क्षेत्रों तक पहुंचने का मार्ग है, वहीं ऊर्जा आपूर्ति और जहाजों की सुरक्षा के लिए जोखिम भी। भारत को अब नपी-तुली बहुआयामी कूटनीति अपनानी होगी। ओमान और कतर के साथ अपने रिश्ते और मजबूत करने होंगे। ओमान और ईरान के बीच जिन कदमों को लेकर सहमति हुई है, उन्हें संस्थागत रूप देने में मदद करनी होगी। यूएई के साथ अपनी साझेदारी को ईंधन भंडार, बंदरगाहों, वित्तीय प्रौद्योगिकी और समुद्री निगरानी के क्षेत्र में ठोस प्रतिबद्धताओं में तब्दील करना होगा। नौसैनिक सुरक्षा, साझा बीमा व्यवस्था और आपातकालीन ईंधन भंडार मजबूत करने होंगे। भारत की खाड़ी नीति अब केवल स्थिर और पृथक द्विपक्षीय संबंधों के सहारे नहीं चल सकती। हालिया हूती हमलों के बाद मक्का समझौते के तहत पश्चिम एशिया में पाकिस्तान को नई सुरक्षा भूमिका मिल गई है। भारत इसके प्रभावों का अध्ययन कर रहा है, परंतु मूकदर्शक बने

रहना पर्याप्त नहीं है। पाकिस्तान की सैन्य भूमिका का इस्तेमाल कश्मीर या आतंकवाद के मुद्दों पर भारत के खिलाफ कूटनीतिक दबाव बनाने के लिए न हो, यह सुनिश्चित करना होगा। अपने नाविकों और समुद्री गलियारों की सुरक्षा परखने के लिए भारत को भावनाओं से परे जाकर तेहरान से स्वतंत्र संवाद बनाए रखना होगा। अरब सागर में नौसैनिक मौजूदगी बढ़ानी होगी। चाबहार भारत का सबसे बड़ा सुरक्षा-कवच है, लेकिन ईरान का प्रभाव इस बंदरगाह की ताकत भी है, कमजोरी भी। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध, क्षेत्रीय तनाव और ईरान की अस्थिर नीतियां निवेश में देरी करा सकती हैं, व्यापार की लागत बढ़ा सकती हैं और बंदरगाह की विश्वसनीयता घटा सकती हैं। भारत को इसका विकास जारी रखना होगा, लेकिन इसे सुनिश्चित समुद्री मार्ग नहीं, बल्कि एक ऐसा व्यापारिक गलियारा मानकर जिसे वैकल्पिक व्यवस्थाओं से सुरक्षित रखा जा सके और जो प्रतिबंधों के बीच भी काम कर सके। भारत को जहां ऊर्जा, व्यापार, निवेश और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए अरब देशों का साथ चाहिए, वहीं क्षेत्रीय पहुंच के लिए ईरान की तथा प्रौद्योगिकी और समुद्री सुरक्षा के लिए अमेरिका और यूरोप की भी जरूरत है। ईरानी खतरे पर स्थायी अंकुश के लिए ईरान की प्रतिबद्धता और जरूरी हो गई है। ईरान से सुरक्षा अब उसके साथ न्यूनतम सुरक्षा-सहमति के बिना लगभग अनभव्यमान है और यह विडंबना अब केवल खाड़ी तक सीमित नहीं रह गई है।

सवाल मतदाता सूची का है, सियासत का नहीं

जब जनसंख्या और मतदाताओं के आंकड़े मिले हुए हों, तो योजनाओं के आकलन और क्रियान्वयन पर भी उसका प्रभाव पड़ता है। सूची की यह सफाई किसी को बाहर करने के लिए नहीं, आंकड़ों को सच के करीब लाने के लिए है। अब उस आंकड़े की बात, जिसे सबसे ज्यादा उछाला गया, यानी '13 करोड़ लोगों के नाम कट गए।' आयोग के अनुसार यह आंकड़ा अंतिम मतदाता सूची का है ही नहीं। यह प्रारूप चरण का आंकड़ा है, जिसमें प्रविष्टियों को मृत, अनुपस्थित या अप्राप्य, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दोहरी श्रेणियों में विहित किया गया था। आयोग के मुताबिक इनमें लगभग 2.8 करोड़ मृत पाए गए, करीब 3 करोड़ अनुपस्थित या अप्राप्य थे, लगभग 6.3 करोड़ स्थायी रूप से कहीं और जा चुके थे और करीब 1 करोड़ प्रविष्टियां एक से अधिक स्थानों पर दर्ज थीं।

घनश्याम तिवारी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनता का भरोसा है और उस भरोसे की पहली शर्त है एक शुद्ध मतदाता सूची। जिस सूची में मृत लोग दर्ज हों, एक ही व्यक्ति दो-दो जगह मतदाता हो और जो लोग वर्षों पहले शहर छोड़ चुके हैं उनके नाम अब भी चढ़े हों, उस सूची के आधार पर हुआ चुनाव कितना भी निष्पक्ष हो, सवालों से नहीं बच सकता। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का मूल उद्देश्य इसी गड़बड़ी को दूर करना है। विडंबना यह है कि सूची को साफ करने की इस कवायद को ही आज सबसे बड़ी साजिश बनाने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष के कुछ अन्य नेता 'वोट चोरी' का जो माहौल बना रहे हैं, वह राजनीतिक रंगमंच की पटकथा तो हो सकती है, पर कानून और प्रक्रिया की कसौटी पर टिकती दिखाई नहीं देती।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि चुनाव आयोग चुनाव कराता कैसे है। आयोग की अपनी कोई अलग मशीनरी नहीं है। वह राज्य और केंद्र सरकार के कार्मिकों के सहारे ही पूरे देश में चुनाव संपन्न कराता है। हर राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी उसी राज्य के कैडर का वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है। हर जिले में निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी जिला कलेक्टर निभाते हैं। मतदान दल से लेकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) तक सब सरकारी कर्मचारी होते हैं। यह व्यवस्था आज की नहीं, दशकों पुरानी है और हर दल की सरकार के कार्यकाल में इसी ढांचे से चुनाव हुए हैं। जिस ढांचे से कल तक चुनाव जीते-हारे जाते रहे, उसे आज अचाक सदिग्ध ठहराना राजनीतिक सुविधा का तर्क है, संवैधानिक समझ का नहीं। फॉर्म संख्या 6 और 7 को लेकर भी कम भ्रम नहीं फैलाया गया। सच यह है कि फॉर्म 6 के जरिये कोई भी पात्र भारतीय नागरिक किसी

भी समय मतदाता सूची में अपना नाम जुड़ाव सकता है। इसके लिए किसी पुनरीक्षण की प्रतीक्षा जरूरी नहीं है। यदि सूची में अपने नाम या अन्य विवरण को लेकर कोई आपत्ति हो, तो फॉर्म 7 के माध्यम से उसका निस्तारण कराया जा सकता है। इसके बाद दावे-आपत्ति की प्रक्रिया है, और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के निर्णय से असंतुष्ट व्यक्ति के लिए पहले जिला मजिस्ट्रेट और फिर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास अपील का रास्ता खुला है।

आयोग का स्पष्टीकरण है कि एसआइआर में फॉर्म 6 में कोई बदलाव नहीं हुआ। केवल एक घोषणा पत्र उसके साथ जोड़ा गया है, ताकि मतदाता को अलग-अलग प्रक्रियाओं से न गुजरना पड़े और ओटीपी सत्यापन दो बार न कराना पड़े। आयोग के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय ने 27 मई 2026 के अपने आदेश में एसआइआर आदेश की वैधता को बरकरार रखा है। यह भी याद रखना चाहिए कि एसआइआर देश के चुनावी इतिहास में पहली घटना नहीं है। मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण पहले भी कई बार हो चुका है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) आयोग को किसी भी समय विशेष पुनरीक्षण का निर्देश देने की शक्ति देती है और संविधान का अनुच्छेद 324 चुनावों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का दायित्व उसी को सौंपता है। यह आयोग का विशेषाधिकार है, किसी की कृपा नहीं। इस बार इसकी आवश्यकता मुख्यतः चार कारणों से पड़ी। पहला, विदेशी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें भारतीय लोकतंत्र का हिस्सा बनने से रोकना। दूसरा, जिनके पास भारतीय नागरिकता नहीं है या किसी कारण से समाप्त हो चुकी है, उनके नाम सूची से हटाना। तीसरा, एक व्यक्ति का नाम दो जगह दर्ज होने पर केवल एक ही जगह उसका मत वैध रखना और चौथा, दिवंगत मतदाताओं के नाम हटाना।

इस समस्या को समझने के लिए राजस्थान का उदाहरण पर्याप्त है। यहां के बहुत-से निवासी वर्षों से देश के अलग-अलग राज्यों में रह रहे हैं और उन्होंने वहां की मतदाता सूची में नाम दर्ज करा लिया, पर

राजस्थान की सूची से उनका नाम नहीं हटा। नतीजा यह कि सूची में उनकी दोहरी मौजूदगी बनी रही। इसका असर केवल मतदान तक सीमित नहीं रहता। जब जनसंख्या और मतदाताओं के आंकड़े मिले हुए हों, तो योजनाओं के आकलन और क्रियान्वयन पर भी उसका प्रभाव पड़ता है। सूची की यह सफाई किसी को बाहर करने के लिए नहीं, आंकड़ों को सच के करीब लाने के लिए है। अब उस आंकड़े की बात, जिसे सबसे ज्यादा उछाला गया, यानी '13 करोड़ लोगों के नाम कट गए।' आयोग के अनुसार यह आंकड़ा अंतिम मतदाता सूची का है ही नहीं। यह प्रारूप चरण का आंकड़ा है, जिसमें प्रविष्टियों को मृत, अनुपस्थित या अप्राप्य, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दोहरी श्रेणियों में चिह्नित किया गया था। आयोग के मुताबिक इनमें लगभग 2.8 करोड़ मृत पाए गए, करीब 3 करोड़ अनुपस्थित या अप्राप्य थे, लगभग 6.3 करोड़ स्थायी रूप से कहीं और जा चुके थे और करीब 1 करोड़ प्रविष्टियां एक से अधिक स्थानों पर दर्ज थीं। यानी चिह्नित लोगों में बड़ी संख्या उनकी है जो अब हैं ही नहीं, या जो कहीं और जा बसे हैं, या जिनका नाम दोहरा दर्ज था। सबसे अहम बात यह है कि प्रारूप सूची में चिह्नित होना और अंतिम सूची से हटया जाना दो अलग बातें हैं। यह सूची लगभग 20 लाख बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के जरिये सभी राजनीतिक दलों को सौंपी गई और सार्वजनिक भी की गई, ताकि कोई भी व्यक्ति गत दल दावा या आपत्ति दर्ज करा सके। इसके बाद किसी नाम को हटाने से पहले नोटिस और सुनवाई की व्यवस्था है। असली अंतिम आंकड़े पूरी प्रक्रिया के समापन पर ही सामने आएंगे, और तब तक अनुमान को तथ्य की तरह परोसना जनता के साथ अन्याय है। नरों से मतदाता सूची शुद्ध नहीं होती, तथ्यों से होती है। चुनाव आयोग पर भी यह दायित्व है कि पारदर्शिता और संवाद के जरिये हर शंका का समाधान करे।

आपके पत्र

अराजकता के पीछे के चेहरे पहचानना जरूरी

लोकतंत्र में सरकारों के विरुद्ध असंतोष व्यक्त करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन जब विरोध प्रदर्शन हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का माध्यम बन जाएं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि विरोध के पीछे केवल जनाक्रोश है या कोई अपने निहित स्वार्थों के लिए इस आक्रोश का इस्तेमाल भी कर रहा है। इन दिनों यूरोप के अनेक देशों में उभरते विरोध प्रदर्शनों ने इसी चिंता को गहरा किया है। फ्रांस, इटली, अल्बानिया, पुर्तगाल और बेलजियम में महंगाई, बेरोजगारी, आवास संकट, शिक्षा तथा सरकारी नीतियों के विरुद्ध प्रदर्शन हो रहे हैं। कुछ मांगें जायज हो सकती हैं, लेकिन अराजकता फैलाने से किसी भी देश का भला नहीं होगा।

केसी विश्वास, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक :** लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी दिवातों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** **www.metrorays.in****email :** **metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज़ IN ब्रीफ

बरही में तीन विद्यालयों के उन्नयन कार्यों को मिलेगी गति

बरही : प्रखंड में विद्यालयों के उन्नयन की कड़ी में गुरुवार को एक और अध्याय जुड़ेगा। विधायक मनोज कुमार यादव 22 अक्टूबर (गुरुवार) को तीन विद्यालयों में विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। क्षेत्र में पहले भी इस तरह के विकास कार्यों की पहल हो चुकी है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए तीन विद्यालयों में निर्माण कार्यों से जुड़ा कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर 12 बजे विहैया स्थित उत्कर्मित मध्य विद्यालय में उन्नयन कार्यों का शिलान्यास होगा। दोपहर एक बजे कोल्हुआकला स्थित उत्कर्मित उच्च विद्यालय में विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी जाएगी। वहीं, दोपहर दो बजे तिलैया बस्ती स्थित उत्कर्मित मध्य विद्यालय में उन्नयन कार्यों का उद्घाटन किया जाएगा। इन कार्यों का उद्देश्य विद्यालयों की आधारभूत संरचना को बेहतर बनाना है। ग्रामीण विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में इन्हें महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम में आम लोगों, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित रहने की अपील की गई है। अब इन विद्यालयों में विकास कार्यों के अगले चरण की शुरुआत होगी।

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

पदमा/बरही : पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर को जैप-7 पश्चा स्थित मैदान में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में वाहिनी के समादेष्टा आईपीएस अविनाश कुमार ने शहीद जवानों को नमन किया। उन्होंने देश और समाज की सुरक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों के बलिदान को याद किया। साथ ही शहीदों के परिजनों के प्रति सम्मान और संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर समादेष्टा ने कहा कि पुलिस संस्मरण दिवस वीर जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद करने का दिन है। पुलिसकर्मी विषम परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और आम नागरिकों की रक्षा के लिए उनका योगदान अतुलनीय है। कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवान हमेशा देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके त्याग और समर्पण से पुलिस बल को निरंतर जनसेवा तथा राष्ट्र की सुरक्षा के लिए प्रेरणा मिलती है। शहीद जवानों के परिवारों का सम्मान और उनकी भावनाओं का ख्याल रखना भी समाज और पुलिस विभाग की जिमेदारी है। कार्यक्रम के दौरान शहीदों के सम्मान में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित पुलिसकर्मियों ने उनके आदर्शों पर चलने और पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।पुलिस संस्मरण दिवस ने एक बार फिर याद दिलाया कि देश की सुरक्षा में पुलिस जवानों का योगदान अमूल्य है और उनका बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

माता वैष्णों देवी मंदिर में शारदीय नवरात्रा का हुआ समापन

रामगढ़ : शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर में शारदीय नवरात्रा भंडारा के साथ संपन्न हुआ। इस भंडारे में रामगढ़ सहित आस पास क्षेत्रों के लगभग दस हजार श्रद्धालुओं ने माता वैष्णों देवी का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर में शारदीय नवरात्रा बीते 11 अक्टूबर को कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ था, जो सोमवार को माता के अटूट भंडारा के साथ संपन्न हुआ। भंडारा के बाद 8 बजे से शुरू हुआ, जो शाम तक चला। इस भंडारे में श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता का जयकारा लगाते हुए प्रसाद ग्रहण किया। इस भंडारे को सफल बनाने में पंजाबी हिन्दू बिरादरी व माता वैष्णों देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरत चन्द्र बासुदेव, महासचिव महेश मारवाह सहित बिरादरी के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सुधीर मंगलेश ने किया उद्घाटन

रामगढ़ : दुलमी प्रखंड के सीरु एवं प्रियातू गांव में दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह कांग्रेस प्रवक्ता एवं मीडिया चेयरमैन सुधीर मंगलेश शामिल हुए। उन्होंने दोनों स्थानों पर विधिवत रूप से फीता काटकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सुधीर मंगलेश ने कहा कि दुर्गा पूजा हमारी आस्था, संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से ग्रामीण प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। साथ ही समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और एकता की भावना मजबूत होती है।

सनातन परंपरा में शस्त्र पूजन आत्मरक्षा के लिए शक्ति का प्रतीक: रामचंद्र चौधरी

बरकट्टा : दुर्गा मंदिर बरकट्टा के प्रांगण में विजयादशमी (दशहरा) पर भव्य शस्त्र पूजन का कार्यक्रम मंगलवार को किया गया। सनातन परंपरा में शस्त्र को केवल हिंसा का साधन नहीं, बल्कि धर्म, सत्य और आत्मरक्षा की शक्ति का प्रतीक माना गया है। कार्यक्रम का अध्यक्षता विहिप प्रखंड अध्यक्ष भागीरथ प्रसाद व संचालन मंत्री सत्यम भारती ने किया।वहीं विहिप, बजरंग दल मार्गदर्शक रामचंद्र चौधरी ने कहा कि धार्मिक मान्यता है कि आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि (विजयादशमी) को भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर असत्य पर सत्य की विजय प्राप्त की थी। इसी दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। महाभारत काल से संबंधित पौराणिक कथा के अनुसार, पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान अपने अस्त्र-शस्त्र शमी के वृक्ष में छिपाए थे। अज्ञातवास पूरा होने के बाद अर्जुन ने इन्हीं शस्त्रों को पुनः प्राप्त कर कौरवों पर विजय प्राप्त की थी। तभी से विजयादशमी पर शस्त्र और शमी वृक्ष की पूजा की परंपरा चली आ रही है।

अवैध आरा मशीन पर छापेमारी, ट्रैक्टर व लकड़ी जब्त

बरकट्टा : प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बंडासिंधा स्थित रानाटोला में गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग एवं गोरहर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान कथित रूप से अवैध संचालित आरा मशीन का पता चलने पर मौके से आरा मशीन,लकड़ी की ढुलाई में प्रयुक्त एक महिंद्रा ट्रैक्टर तथा अकेशिया प्रजाति की लगभग 15 पौंस लकड़ी के बोटे जब्त किए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग को सूचना मिली थी कि रानाटोला में अवैध रूप से आरा मशीन संचालित की जा रही है। सूचना के सत्यापन के लिए वन विभाग और गोरहर थाना की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। इस दौरान प्रशासन को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। हालांकि, काफी मशक्कत के बाद टीम ने कार्रवाई पूरी की और जब्त किए गए सभी सामानों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। छापेमारी टीम में वन विभाग के प्रभारी वनपाल पंकज कुमार, सिकंदर साव, राजेंद्र कुमार तथा गोरहर थाना प्रभारी रवि कुमार समेत अन्य पुलिस मौजूद थे।

राजमहल में धूमधाम से हुआ रावण दहन, हजारों लोग बने साक्षी

विधायक एमटी राजा और भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने दिया सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल में दशहरा का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।इस अवसर पर गुदारा घाट रेलवे परिसर में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग उमड़े।रावण के पुतले का दहन होते ही पूरापरिसर जयकारों और तालियों से गुंज उठा।आकर्षक आतिशबाजी ने लोगों का मन मोह लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक मो.ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा,भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव,राजमहल अस्पताल प्रभारी डॉ.उदय टुंडू, विधायक प्रतिनिधि सह नगर उपाध्यक्ष मो.मारुफ उर्फ गुड्डू और पंकज घोष ने संयुक्त रूप



से फीता काटकर किया।इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सत्य और न्याय की राह पर चलने का संदेश-राजा विधायक एमटी राजा ने कहा कि दशहरा

बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर सत्य,धर्म और न्याय की स्थापना की थी।यह पर्व हमें अपने भीतर के अहंकार,अन्याय और बुराइयों को समाप्त करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने लोगों से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने और समाज में प्रेम,सद्भाव तथा भाईचारा बनाए रखने की अपील की। बुराइयों को त्यागकर अपनाएं सदाचार:- बजरंगी प्रसाद यादव

विजयादशमी महोत्सव हुआ संपन्न

बरही : प्रखंड मैदान में मंगलवार की शाम रावण दहन के साथ विजयादशमी महोत्सव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। धनबाद रोड दुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों को भी जलाया गया। बतौर मुख्य अतिथि बरही विधायक सह झारखंड विधानसभा लोक लेखा समिति के सभापति मनोज कुमार यादव ने शाम करीब साढ़े सात बजे पुतले में आग लगाई। इसके साथ ही मैदान रंग-बिरंगी आतिशबाजी से जगमगा उठा। पटाखों की गूँज और आतिशबाजी

देखने के लिए बरही सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों लोग पहुंचे। इनमें महिला, पुरुष और बच्चे शामिल थे। विधायक श्री यादव ने कहा कि रावण दहन की सार्थकता तभी है, जब हम अपने भीतर की बुराइयों को त्यागें। सत्य, निष्ठा और परोपकार को जीवन में अपनाएं। इसके लिए सभी को संकल्प लेकर उस पर अमल करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। एसडीओ जोहान टुंडू, एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, सीओ चंद्रशेखर कुणाल और इस्पेक्टर सह थाना प्रभारी

बिनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।आयोजक धनबाद रोड दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्वयंसेवक व्यवस्था संधालने में जुटे रहे। मौके पर भाजपा विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, झामुमो नेता बिनोद विश्वकर्मा, विहिप नेता गुरुदेव गुप्ता, सद्भावना विकास मंच के अध्यक्ष राज सिंह चौहान सहित समिति के सदस्य और हजारों दर्शक मौजूद थे।

ओडिशा लोकभवन में मधु कोड़ा से मिले चंदवा के युवा नेता रितिक चौधरी



चंदवा के रितिक चौधरी की मधु कोड़ा से मुलाकात, लोकभवन में हुई शिष्टाचार भेंट

लातेहार : झारखंड के लातेहार जिले के चंदवा निवासी युवा नेता रितिक चौधरी ने ओडिशा के लोकभवन में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच शिष्टाचार भेंट हुई।

चंदवा क्षेत्र में युवा नेतृत्व से जुड़े रितिक चौधरी की इस मुलाकात को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा हो रही है। ओडिशा के लोकभवन में हुई इस भेंट के दौरान विभिन्न विषयों पर बातचीत हुई। हालांकि, मुलाकात में किन मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई, इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। रितिक चौधरी चंदवा क्षेत्र में युवा नेता के रूप में अपनी पहचान रखते हैं। उनकी इस मुलाकात को झारखंड और ओडिशा के राजनीतिक एवं सामाजिक संपर्क के लिहाज से भी देखा जा रहा है।

विकास कार्यों को पोर्टल पर अपलोड कराने और योजनाएं शुरू कराने की मांग

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : दक्षिण पलाशगछी पंचायत की मुखिया नफीसा खातून ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने और गरीब मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग को लेकर राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा को आवेदन सौंपा है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने वीबी जी राम जी योजना के अंतर्गत विभिन्न जनहितकारी योजनाओं को टेपलेट सिस्तेम पर जल्द से जल्द अपलोड कराने तथा उनके क्रियान्वयन की दिशा में आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है। मुखिया ने आवेदन में कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और जरूरतमंद परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाओं का शुरू होना जरूरी है। इसके लिए उन्होंने संबंधित वीबी जी राम जी आयुक्त से वार्ता कर सार्वजनिक शौचालय, पीसीसी



सड़क, पेवर ब्लॉक सड़क, जीएसबी सड़क, पशु शेड, कलवर्ट, सिंचाई कुआं, गार्डवाल, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत चकूतरा, सोलर स्ट्रीट लाइट,

विद्यालय मरम्मत, आंगनबाड़ी केंद्र मरम्मत, पुराने पथ की मरम्मत और खेतों की मेड़बंदी जैसे कुल 14 प्रकार के कार्यों को पोर्टल पर अपलोड कराने की

मांग की है। आवेदन में मुखिया ने ग्रामीण क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा है कि मनरेगा व्यवस्था बंद होने के बाद गरीब मजदूरों और

80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

बरकट्टा : दुर्गा पूजा के अवसर पर मंगलवार को माध्यमिक परीक्षा 2026 में 80%से अधिक अंक प्राप्त करने वाले उत्कर्मित+2 उच्च विद्यालय कलहाबाद के छात्र/ छात्राओं की स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के उप निदेशक सुरेंद्र कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दर्जनों विद्वत जन उपस्थित होकर बच्चों को प्रेरित करते हुए आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन देने का भरोसा दिया।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक शशि भूषण प्रसाद

ने किया।मौके पर में कुमकुम देवी, जिप सदस्य, कलावती देवी मुखिया, राजेंद्र प्रसाद पुलिस उपाधीक्षक, रांची, डॉ. रविकांत प्रसाद बीएसएनएल अधिकारी, केदार प्रसाद, बाबूलाल प्रसाद आईआईटीयन, त्रिवेणी साव बैंक अधिकारी, शिक्षक राजा बाबू, यमुना साव ,गुणेश्वर कुमार, बौरन्द ठाकुर, बसंत साव, रंजीत कुमार उपेंद्र कुमार ,रामकिशुन महतो, मंदोदरी कुमारी, मालती कुमारी, बासुदेव प्रसाद मंडल, सुभान अली, दीनदयाल प्रसाद, रवि कुमार

पंडित,छोटेलाल प्रसाद मेहता , अनिल कुमार आजाद ,रामचंद्र राम पूर्व मुखिया,संजय प्रसाद,संजय साव तथा सार्वजनिक पूजा समिति कलहाबाद के अध्यक्ष इन्द्रदेव प्रसाद, उपेंद्र कुमार शर्मा उपाध्यक्ष, शंकर कुमार सचिव, मनोज कुमार कोषाध्यक्ष, बादल राम, किशुन राम, विजय राम, पंकज चंद्रवंशी, मनोज कुम्हार, भीम प्रसाद समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए। वहीं सफल बच्चों को मेमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शानदार आतिशबाजी के बीच रावण का पुतला दहन हुआ

अहंकारी रावण का वध करके असत्य पर सत्य की विजय हुई

रावण दहन इंसान के अंदर छिपे अहंकार,क्रोध और बुराइयों को समाप्त करने का संदेश देता

संवाददाता

साहिबगंज : सिलो कान्हु स्टेडियम में बुधवार को शानदार आतिशबाजी के साथ रावण का पुतला दहन किया गया।मुख्य अतिथि डीसी दीपक कुमार दुबे,एसपी अमित कुमार सिंह, झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव सहित अन्य ने रावण को तीर मारकर रावण दहन किया।इससे पूर्व गोरबाड़ी हटिया दुर्गा पूजा समिति की ओर से मुख्य अतिथियों गणमान्य लोगों ओर अधिकारियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर ओर मां दुर्गा की चुनरी व मोमेंटो देकर सम्मानित किया।वही मुख्य अतिथि ने कहा कि बुराई पर अच्छाई की जीत हुई,विश्व का कल्याण हो।वही समिति अध्यक्ष राकेश सिन्हा ने कहा कि गोरबाड़ी हटिया दुर्गा पूजा समिति की ओर से



लगातार 45 वर्षों से रावण का पुतला दहन शानदार आतिशबाजी के साथ किया जा रहा है।इस वर्ष का मुख्य आकर्षक रॉकेट युद्ध,डिजिटल कलरफुल आतिशबाजी,लेजर लाइट शो ओर 55 फीट का रावण दहन है। लगभग चार लाख की लागत से रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अहंकारी रावण का वध करके असत्य पर सत्य की विजय हुई।रावण दहन इंसान के अंदर छिपे अहंकार,क्रोध और बुराइयों को समाप्त करने का संदेश देता है।वही पूरे स्टेडियम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अग्नि शमन की दमकल वाहन, नगर परिषद का दो पानी टैंकर सहित पुलिस बल की तैनाती की गई

थी। मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान,एसडीओ अमर जॉन आईद,आईटीडीए निदेशक संजय कुमार दास,कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, डीएसपी रविकांत साव,सदर डीएसपी सुशील कुमार,सदर सीओ बासुकिनाथ टुंडू,दंडाधिकारी प्रमोद आनंद,समिति संरक्षक बोदी सिन्हा, तनय सिन्हा,उत्सव सिन्हा,अमन सिन्हा,गौरी सिन्हा,अरुण सिन्हा, अभिजीत राय,कमल महावर,सुरेश साह,नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता, जौरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मेजर रोहित दुबे,भगवती रंजन पांडे सहित लगभग 25 हजार श्रद्धालु उपस्थित थे।

जरूरतमंद परिवारों के समक्ष रोजी-रोटी का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। रोजगार के अवसरों की कमी के कारण मजदूरों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, विकास योजनाओं के शुरू नहीं होने से क्षेत्र में विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से उधवा प्रखंड में अब तक नई योजनाएं शुरू नहीं होने पर चिंता जताई है। मुखिया नफीसा खातून ने विधायक से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से शीघ्र वार्ता करने और योजनाओं को अपलोड कराकर उनकी स्वीकृति एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के शुरू होने से जहां ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा, वहीं गरीब मजदूरों को रोजगार मिलने के साथ क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

धनुष और ममूटी की फिल्म का दूसरा गाना वीड़ा वीरा रिलीज़



दक्षिण भारतीय सिनेमा के अभिनेता धनुष और ममूटी की आगामी फिल्म ओम: चैप्टर 1 उधिरम , दि ब्लड वुड का दूसरा गाना वीड़ा वीरा रिलीज़ हो गया है। साई अर्भ्यकर के संगीत से सजे इस गाने में दमदार बीट्स और ऊर्जावान संगीत का मेल देखने को मिलता है। इससे पहले फिल्म का थीम रिलीज़ किया गया था, जिसे श्रोताओं से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म के संगीत का सफर धनुष के जन्मदिन पर रिलीज़ हुए पहले गाने अलाका लूवा से शुरू हुआ था। अपनी आकर्षक धुन और ऊर्जावान अंदाज़ के कारण इस गाने ने सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल की थी। अब वीड़ा वीरा की रिलीज़ से फिल्म के संगीत को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ने की उम्मीद है।

आर्टेक स्टूडियोज़ की संस्थापक और फिल्म की निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा कि

अलाका लूवा को दर्शकों से मिले प्यार से पूरी टीम उत्साहित है। वीड़ा वीरा का थीम जारी होने के बाद श्रोताओं ने पूरे गाने को सुनने की इच्छा जताई थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि साई अर्भ्यकर के संगीत से सजा यह नया गाना भी दर्शकों को पसंद आएगा। राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में धनुष और ममूटी के साथ साई पल्लवी, श्रीलाला, नसीरुद्दीन शाह और इंद्रन्स भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। आर्टेक स्टूडियोज़ के प्रेजेंटेशन और वंडरबार फिल्मस के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्माण श्रद्धा अग्रवाल, धनुष और अजमत जगमग ने किया है। श्रेयस श्रीनिवासन और संदेश अग्रवाल सह-निर्माता हैं, जबकि विश्व रामास्वामी क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। बहुभाषी फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

एशियाई पैरा खेल 2026

शीतल और तोमन ने तीरंदाजी पैरा क्पाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक



आइची-नागोया: पैरा तीरंदाज़ शीतल देवी और तोमन कुमार की भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को एशियाई पैरा खेल 2026 में क्पाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। आज यहां हुए मुकाबले में टॉप्स एथलीट शीतल देवी और तोमन कुमार की जोड़ी ने फाइनल में इंडोनेशिया के थियोडोरा ऑडी ए. फेरेली और केन स्वागुमिलिंग को 151-148 से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रोहित-विराट का चयन उम्र देखकर नहीं, बीसीसीआई बोले, वनडे वर्ल्डकप के लिए फिटनेस-फॉर्म सबसे अहम



नई दिल्ली: बीसीसीआई प्रेजिडेंट मिथुन मन्हास ने कहा है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा का चयन उम्र से नहीं होगा। टीम में जगह के लिए दोनों की फिटनेस और प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। यह टूर्नामेंट अक्टूबर-नवंबर 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। मन्हास ने भारत के न्यूजीलैंड दौरे से पहले एक इंटरव्यू में यह बात कही। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। रोहित-विराट 4 नवंबर से शुरू हो रही पांच वनडे की सीरीज़ में खेलते दिखेंगे। मन्हास ने कहा कि दोनों बैटर्स को लगातार रन बनाने होंगे। मिथुन मन्हास ने कहा कि वर्ल्ड कप टीम में चयन के लिए दोनों सीनियर बल्लेबाजों का लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा। मुझे लगता है कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश को जीता रहा है। तो उसका चयन होना चाहिए। रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे। जबकि, विराट कोहली वर्ल्ड कप के दौरान 38 साल के होंगे।

तबीयत ठीक नहीं थी तो बताया क्यों नहीं, दलेर मेहंदी विवाद पर बोले बीजेपी के मीडिया इंचार्ज विनय गोयल

उत्तराखंड में पॉप गायक दलेर मेहंदी और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल के बीच मंच पर हुई तीखी नोकझोंक का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस हाई-प्रोफाइल विवाद पर अब राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर भी शुरू हो गया है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विनय गोयल ने इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी बेबाक राय रखी है। उन्होंने कड़े सवाल उठाए हैं और कहा है कि अगर सिंह की तबीयत ठीक नहीं थी, तो इसकी जानकारी पहले क्यों नहीं दी थी।

बीजेपी के मीडिया प्रभारी विनय गोयल ने दलेर मेहंदी को लेकर क्या कहा? : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विनय गोयल ने दलेर मेहंदी विवाद पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से



गायक दलेर मेहंदी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं और उनके गानों का सम्मान करते हैं। लेकिन, उन्होंने साफ किया कि नवरात्रि कार्यक्रम

के दौरान मां कुंजापुरी के भव्य धार्मिक मेले में जिस तरह की वीडियो सामने आए, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थे और इससे वहां

मौजूद हजारों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। हूस्टेज पर बेइज्जत करना जरूरी था क्या? , दलेर मेहंदी को

लेकर मंत्री सुबोध उनियाल पर फूटा अनुपम खेर का गुस्सा: विनय गोयल ने आगे सवाल उठाते हुए कहा, यदि दलेर मेहंदी की तबीयत ठीक नहीं थी, तो इसकी जानकारी पहले ही आयोजकों और प्रशासन को क्यों नहीं दी गई? मां कुंजापुरी के सम्मान और इस पवित्र अनुष्ठान के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही या समझौते को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मंच पर कलाकारों को अपनी गरिमा और आयोजन की पवित्रता का खास ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि ऐसे आयोजकों में जनता की गहरी आस्था जुड़ी होती है।

लगातार तूल पकड़ रहा है उत्तराखंड का यह विवाद: बता दें, 18 अक्टूबर को कुंजापुरी मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान जब दलेर मेहंदी मंच पर प्रस्तुति दे रहे थे, तब उनकी अस्वस्थता

और मंच पर असहज स्थिति को देखकर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कड़ी आपत्ति जताई थी। इसके बाद दोनों के बीच मंच पर ही तीखी बहस हो गई थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया।

घटना के बाद से जहां एक तरफ सिंगर के परिवार और भाई मौका सिंह और हरजीत मेहंदी ने उनके स्वास्थ्य का हवाला दिया था और दलेर मेहंदी का बचाव किया था। वहीं, राजनीतिक और स्थानीय आयोजकों की तरफ से भी इस पर कड़ी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। भाजपा मीडिया प्रभारी विनय गोयल के इस बयान ने इस विवाद को एक नया मोड़ दे दिया है, जिससे यह साफ होता है कि धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और गरिमा को लेकर प्रशासन और सरकार का काफी सख्त रुख अपनाए हुए हैं।

'हुन-मान' एक्टर तेजा सज्जा के घर बजने वाली है शहनाई? नवंबर में सगाई, दिसंबर में शादी की चर्चा तेज



तेलुगु अभिनेता तेजा सज्जा इन दिनों रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट कर रहे हैं। खबर है कि 'हुनु-मान' एक्टर तेजा अब अपने जीवन के एक नए चैप्टर की शुरुआत करने की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि वे दिसंबर 2026 में शादी कर सकते हैं। हालांकि, अभिनेता की ओर से अभी तक इस खबर की कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और न ही इस बारे में कोई बयान जारी किया गया है।

दिसंबर में शादी करेंगे तेजा सज्जा? : 'डेक्कन क्रॉनिकल' की रिपोर्ट के अनुसार, 'मिराई' एक्टर तेजा की सगाई नवंबर में हो सकती है और उसके बाद दिसंबर में शादी होगी। बताया जा रहा है कि शादी का यह फंक्शन उदयपुर में होगा, जिसमें केवल परिवार के करीबी लोग और दोस्त ही शामिल होंगे। कहा जा रहा है कि एक्टर किसी भी शादी का कोई भव्य आयोजन करने के बजाय अपने करीबी लोगों के साथ एक प्राइवेट फंक्शन में शादी करना पसंद करेंगे।

कौन हैं तेजा सज्जा की होने वाली दुल्हन? : रिपोर्ट्स में इस बात का भी खुलासा किया गया है कि यह एक अरेंज मैरिज है और तेजा की होने वाली दुल्हन एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, जिनका फिल्म इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, अभी तक उनकी होने वाली दुल्हन की पहचान और शादी से जुड़ी अन्य जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। जब तक तेजा सज्जा खुद इन खबरों पर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं देते, तब तक शादी की तारीख, सगाई की योजनाएं और उनकी होने वाली जीवनसाथी के बारे में जानकारी केवल अटकलें ही हैं। फिलहाल, अभिनेता ने शादी की इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और न ही इस बारे में कोई बयान दिया है। तेजा सज्जा का वर्क फ्रंट: प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो, तेजा सज्जा अपनी 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हुनु-मान' के सीक्वल 'जय हुनुमान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनने वाली इस पौराणिक तेलुगु फिल्म में ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में भगवान हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। तेजा की 'हुनु-मान' ने 2024 में अपनी रिलीज के समय काफी चर्चा बटोरी। कम बजट में बनी यह फिल्म एक बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट साबित हुई। इस फिल्म को 71वें नेशनल अवॉर्ड्स में भी पहचान मिली, जहां इसने एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स कैटेगरी में बेस्ट फिल्म, सर्वश्रेष्ठ श्रद्धासुपरवाइजर और बेस्ट स्टंट कोरियोग्राफी के लिए अवॉर्ड्स जीते।

गोलू गुप्ता का किरदार फिर निभाना चाहती हैं श्वेता त्रिपाठी



बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने लोकप्रिय वेब सीरीज मिजापूर में गोलू गुप्ता के किरदार से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए भविष्य में एक बार फिर इस

भूमिका को निभाने की इच्छा जताई है। श्वेता ने मिजापूर: दि मूवी के साथ गोलू की कहानी के नए पड़ाव पर कहा कि यह किरदार उनके जीवन और

अभिनय के सफर का अहम हिस्सा बन चुका है। शुरुआत में कितारों और पढ़ाई में रुचि रखने वाली शांत लड़की के रूप में नजर आई गोलू समय के साथ

मुश्किल हालात, नुकसान और बदले से गुजरते हुए एक मजबूत महिला के रूप में विकसित हुई है। श्वेता ने कहा कि गोलू और मैं पिछले कई सालों से साथ हैं और यह सफर मेरे लिए बहुत खास है। उसे निभाते हुए एक कलाकार के तौर पर मैं भी बड़ी हुई हूं। गोलू हमेशा मेरे सफर का एक बेहद अहम हिस्सा रहेगी। उन्होंने कहा कि गोलू के किरदार में अभी बहुत कुछ तलाशना बाकी है। हर बार इस भूमिका में लौटने पर उन्हें उसके व्यक्तित्व के नए पहलुओं को समझने का मौका मिलता है। वह भविष्य में भी गोलू के अलग-अलग पहलुओं को तलाशना चाहेंगी। श्वेता ने कहा कि गोलू का किरदार उनके लिए सिर्फ एक भूमिका नहीं, बल्कि ऐसा सफर है, जिसने उन्हें व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों स्तरों पर प्रभावित किया है। दर्शकों के बीच गोलू की लोकप्रियता और उससे उनका जुड़ाव उनके लिए बेहद मायने रखता है।

वाघा बॉर्डर पर उड़ता तीर के प्रमोशन के बीच पाकिस्तान ने बजाया आतिफ असलम का गाना ताजदार-ए-हरम



आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' की टीम अपनी आने वाली फिल्म के प्रमोशन के लिए अमृतसर और अटारी-वाघा बॉर्डर पहुंची। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर, जहां हाल ही में कुछ फिल्मों के प्रमोशन हुए हैं, आयुष्मान और सारा ने लोगों से बात करने के लिए माइक उठाया, लेकिन पाकिस्तान की तरफ से बज रहे तेज संगीत की वजह से उनकी आवाज सुनाई नहीं दी।

इंटरनेट पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो में देखा जा सकता है कि आयुष्मान और सारा ने भीड़ से बात करने की कई कोशिशें कीं, लेकिन बॉर्डर के उस पार लाउडस्पीकर पर आतिफ असलम का गाया हुआ गाना ताजदार-ए-हरम बज रहा था, जिसकी वजह से वहां मौजूद लोग भारतीय सितारों की बातें ठीक से सुन नहीं पाए।

पांच मैचों की टी-20 सीरीज आज से

पहले टी20 में भारत ने जीता टॉस, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले गेंदबाजी का फैसला

क्राइस्ट चर्च के हेगली ओवल में आज 12.30 बजे से मुकाबला



उप-कप्तान बनाया गया है।

वहीं, 15 साल के वैभव

सूर्यवंशी भी टीम का हिस्सा हैं।

अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती की भी वापसी हुई है। भुवनेश्वर कुमार ने आखिरी बार नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ही भारत के लिए टी-20 मैच में गेंदबाजी की थी। हाल ही में उन्हें भारतीय टीम में वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी मैच के लिए टी-20 फॉर्मेट में चुना गया था और उसे खेलने वाले 11 खिलाड़ियों में भी रखा गया था, लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द हो गया और इस तरह उसे खेलने का मौका नहीं मिल सका, लेकिन दुर्भाग्य से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें आराम दिया गया है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर होंगे। लेकिन रचिन

रविंद्र इस सीरीज में नहीं हैं क्योंकि उनके दाहिने कंधे की हड्डी खिसक गई है। तेज गेंदबाज एडम मिलने और ऑल-राउंडर माइकल ब्रेसिलिन ने टीम में वापसी की है। -22 अक्टूबर, गुरुवार पहला टी- 20, क्राइस्टचर्च,दोपहर 12.30 बजे -24 अक्टूबर, शनिवार दूसरा टी-20, क्राइस्टचर्च,दोपहर 12.30 बजे -27 अक्टूबर, मंगलवार तीसरा टी-20, वेलिंगटन,दोपहर 12:30 बजे -30 अक्टूबर, शुक्रवार चौथा टी 20, ऑकलैंड दोपहर 12.30 बजे - एक नवंबर, रविवार,पांचवां टी-20, हैमिल्टन दोपहर 12.30



हिमाचल युवा कांग्रेस के नेता चंद्रमणि कुलेठी का निधन ,शोक



भरमौर: हिमाचल प्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रमणि कुलेठी के असमयिक निधन का समाचार सामने आने से कांग्रेस परिवार में शोक का माहौल है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के दौरे से पहले युवा नेता के निधन की खबर ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को गहरे सदमे में डाल दिया है। चंद्रमणि कुलेठी को एक ऊजार्वान, समर्पित और जुझारू युवा नेता के रूप में याद किया जा रहा है।

युवाओं की आवाज बुलंद करने और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने संगठन में उन्हें एक अलग पहचान दिलाई थी। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक व्याप्त है। इस दुखद घड़ी में शोक संतप्त परिवार और उनके शुभचिंतकों के प्रति गहरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

सीजेपी नेता सौरव-आशुतोष को राहत, जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराने मामले में मिली जमानत



नई दिल्ली: कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को आठ दिन बाद बुधवार को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट से जमानत मिल गई है। दिल्ली पुलिस ने दोनों की तीन दिन के लिए कस्टडी मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने मांग ठुकरा दी। दोनों को 13 अक्तूबर को जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराने के दौरान दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। आठ से दस सीजेपी समर्थकों के साथ दोनों नेता तिरंगा लेकर वहां पहुंचे थे। दरअसल, 12 अक्तूबर को सरकार ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी। इसके बावजूद 13 अक्तूबर को दोनों नेता तिरंगा लेकर वहां पहुंच गए।

शांति नियम तोड़ने के आरोप में उन्हें पांच दिन के लिए जेल भेजा गया था। फिर 19 अक्तूबर को उनकी हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई थी। इससे पहले बुधवार को ही दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में दखल देने से मना कर दिया। कोर्ट ने कहा था कि नेता पहले मजिस्ट्रेट का फैसला आने दें, फिर जरूरत पड़ने पर ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएं।

कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार ने पकड़ी रफ्तार, खाली हुए दो दर्जन भवनों पर प्रशासन का कब्जा



धर्मशाला: एयरपोर्ट के बहुचर्चित विस्तारीकरण प्रोजेक्ट ने अब कागजों से निकलकर धरातल पर रफ्तार पकड़ ली है। प्रशासन ने पूरी तरह से एक्शन मोड में आते हुए अधिग्रहण की जद में आए करीब दो दर्जन खाली हो चुके घरों को अपने कब्जे में ले लिया है। साथ ही एयरपोर्ट के लिए चयनित 158 हेक्टेयर भूमि की फेंसिंग के लिए लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी को सवा करोड़ रुपए का बजट भी जारी कर दिया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि आगामी दिवाली के त्योहार के बाद भवनों को खाली करवाने और कब्जे की इस पूरी प्रक्रिया में और अधिक तेजी आएगी। जमीन और भवनों को खाली करवाकर उन पर आधिकारिक कब्जा लेने की इस अहम प्रक्रिया को सुचारू रूप से सिरे चढ़ाने के लिए जिला प्रशासन ने दो विशेष टीमें गठित की हैं।

ये टीमें तहसीलदार कांगड़ा और तहसीलदार शाहपुर के नेतृत्व में मोर्चे पर डटी हुई हैं। अब तक लगभग 19 से अधिक ऐसे भवनों को प्रशासन ने अपने नियंत्रण में ले लिया है, जिन्हें प्रभावित परिवारों द्वारा खाली कर दिया गया था। इसके अलावा, अधिग्रहण क्षेत्र में आने वाले अन्य सरकारी कार्यालयों और निजी भवनों को खाली करवाने की कवायद भी लगातार चल रही है। हवाई अड्डे के विस्तार के लिए चयनित 158 हेक्टेयर भूमि को सुरक्षित करने की दिशा में भी बड़ा कदम उठाया गया है। प्रशासन की ओर से सवा करोड़ रुपए का फंड मिलते ही पीडब्ल्यूडी ने फेंसिंग की तैयारियां तेज कर दी हैं। जल्द ही हिलारों पर काटेदार तार लगाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

स्कूलों को सत्र समाप्त तक अभयदान: पर्यटन विभाग के उपनिदेशक विनय धीमान का कहना है कि अधिग्रहण की इस तेज होती कार्रवाई के बीच, प्रभावित क्षेत्र में चल रहे स्कूलों के लिए थोड़ी राहत की खबर है। प्रशासन इन स्कूलों को मौजूदा शैक्षणिक सत्र की समाप्ति तक मोहल्लत दे सकता है। अन्य व्यावसायिक व निजी ढांचों को खाली करवाने का काम बदस्तूर जारी रहेगा। दिवाली के बाद एयरपोर्ट विस्तार का यह काम एक नए और तेज चरण में प्रवेश कर जाएगा।

नवरात्र में 9 दिनों तक छाती पर कलश रखकर की मां दुर्गा की पूजा, अनुष्ठान पूरा होते ही महिला की मौत

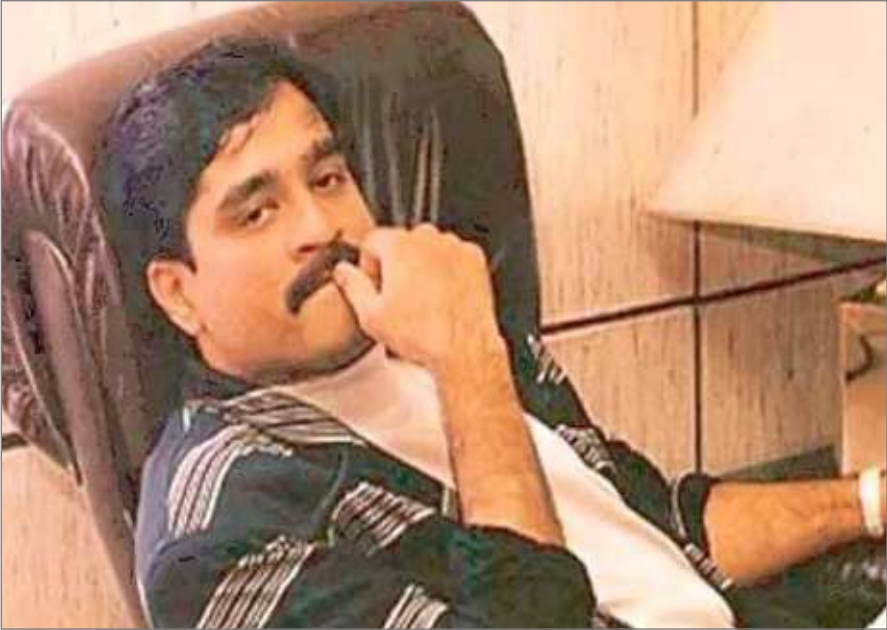
सुपौल: बिहार के सुपौल जिले में नवरात्र के दौरान नौ दिनों तक छाती पर मिट्टी का कलश रखकर मां दुर्गा की पूजा करने वाली 35 वर्षीय महिला की बुधवार सुबह मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान त्रिवेणीगंज नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या चार की निवासी सचीता देवी के रूप में हुई है। त्रिवेणीगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) दिलीप कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नवरात्र का अनुष्ठान पूरा करने के बाद महिला ने बुधवार को सोने में सर्द की शिकायत की, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, सचीता देवी ने नवरात्र के पहले दिन त्रिवेणीगंज बाजार स्थित बड़ी दुर्गा मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान शुरू किया था और वह लगातार नौ दिनों तक छाती पर मिट्टी का कलश रखकर मां दुर्गा की पूजा करती रहीं। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को अनुष्ठान पूरा करने के बाद घर लौटने पर महिला ने सोने में दर्द की शिकायत की। त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में इयूटी पर नैतान चिकित्सक उमेश कुमार मंडल ने बताया कि परिजन महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि महिला की मौत के संभावित कारणों में शरीर में पानी में कमी और पहले से हृदय संबंधी बीमारी होना शामिल हो सकता है।

यूएन में दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी को भारत आधारित बताने पर भारत ने जताई आपत्ति, रिपोर्ट की गलतियों पर उठाए सवाल

संयुक्त राष्ट्र /एजेसी: अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के आपराधिक संगठन डी-कंपनी को भारत-आधारित समूह बताए जाने पर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कड़ी आपत्ति जताई है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के एक विशेष प्रतिवेदक की रिपोर्ट में दर्ज इस दावे को गलत बताते हुए कहा कि तथ्यात्मक त्रुटियों वाली रिपोर्ट जारी करना और उसके लिए जवाबदेही तय नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। भारत ने चेतावनी दी कि ऐसी लापरवाही संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्था की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।

भारत की ओर से यह कड़ा रुख संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में बुधवार को हुई चर्चा के दौरान सामने आया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने आतंकवाद से मुकाबले के दौरान मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के संरक्षण से संबंधित विशेष प्रतिवेदक बेन सॉल की रिपोर्ट पर सवाल उठाए।

रघु पुरी ने कहा कि भारत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाता रहा है कि विशेष प्रतिवेदकों की ओर से तथ्यात्मक



गलतियों वाली रिपोर्ट जारी की जाती हैं, लेकिन उन्हें जवाबदेह ठहराने की कोई प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आती। उन्होंने इसे अस्वीकार्य स्थिति बताते हुए कहा कि ऐसी गलतियां उस संगठन के लिए दुर्भाग्यपूर्ण हैं, जिसकी वैधता और विश्वसनीयता पहले से ही विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही है। पुरी ने कहा कि वह रिपोर्ट में भारत से संबंधित कुछ स्पष्ट

त्रुटियों की ओर सदस्यों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।

भारतीय प्रतिनिधि ने विशेष प्रतिवेदक की रिपोर्ट के उस हिस्से पर आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने वर्ष 2003 में अल-कायदा से संबंधों के कारण एक आपराधिक समूह के नेता को प्रतिबंध सूची में शामिल किया था। रिपोर्ट में डी-कंपनी को भारत-

आधारित आपराधिक संगठन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पुरी के मुताबिक, इस कथन को संदर्भ से अलग करके पढ़ने पर वास्तविक स्थिति की गलत तस्वीर सामने आती है। उन्होंने डी-कंपनी को भारत-आधारित संगठन बताए जाने को खारिज करते हुए कहा कि दाऊद इब्राहिम और उसका आपराधिक नेटवर्क लंबे समय से भारत की जांच एजेंसियों के लिए

संयुक्त राष्ट्र के दोहरे चरित्र पर भारत की दोटूक, दिल्ली में प्रदर्शनों पर टिप्पणी के बाद जताया सख्त विरोध

नई दिल्ली: भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रति दोहरा चरित्र जताने को लेकर सख्त आपत्ति जताई है। बिना पुष्टि के लगाए गए आरोपों और अधूरे आंकड़ों के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नकारात्मक छवि पेश करने के प्रयासों का विरोध करते हुए भारत ने 'दोटूक' कहा है कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने या चुनिंदा तरीके से देशों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय में उप सचिव बरखा ताम्रकर ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ मिलकर काम करता है, लेकिन यह सहयोग संवाद, विचार-विमर्श और आपसी सहयोग पर आधारित होना चाहिए। साथ ही, इसमें बिना किसी भेदभाव के सभी देशों के साथ समान व्यवहार और पारदर्शिता के सिद्धांतों का पालन



किया जाना चाहिए। ताम्रकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में बलपूर्वक लापता किए गए लोगों से संबंधित कार्य समूह से जुड़े एजेंडे पर चर्चा के दौरान भारत का पक्ष रखा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानवाधिकारों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने या चुनिंदा तरीके से देशों को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

ताम्रकर ने कहा कि हम सभी प्रतिनिधिमंडलों से आग्रह करते हैं कि वे रिपोर्ट में कही गई बातों की सही तरीके से प्रस्तुत करें और किसी सूचना में लगाए गए आरोपों को साबित तथ्य के रूप में पेश न करें। भारत ने कहा कि भारत स्थापित प्रक्रियाओं के माध्यम से उचित दस्तावेजों के साथ सामने लाए गए विशिष्ट मामलों पर स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार है।

हालांकि, भारतीय राजदूत ने कहा कि भारत अणुष्ट आरोपों, अधूरे आंकड़ों या ऐसी रिपोर्ट के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नकारात्मक छवि पेश करने के किसी भी प्रयास का औपचारिक रूप से विरोध करता है, जिसमें भारत के बारे में कोई टिप्पणी ही नहीं की गई है। बता दें कि ताम्रकर की यह टिप्पणी दिल्ली में हाल में सीजेपी के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों द्वारा चिंता जताए जाने के बीच आई है। जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र के 20 से अधिक मानवाधिकार विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय राजधानी में युवाओं के नेतृत्व में हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कथित सख्त कार्रवाई पर चिंता जताई थी। विशेषज्ञों ने अधिकारियों से प्रदर्शनों के दौरान मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के मामलों में न्याय सुनिश्चित करने की भी अपील की थी।

रेलवे का बड़ा फैसला, यात्रियों को महज 45 पैसे में मिलेगी 10 लाख की यात्रा बीमा सुविधा

27 अक्टूबर 2026 से देशभर में लागू होगी यह एतिहासिक व्यवस्था

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे ने स्टेशन काउंटर से टिकट खरीदने वाले करोड़ों आम रेल यात्रियों को बहुत बड़ी राहत दी है। अब रेलवे स्टेशन के रिजर्वेशन काउंटर से ऑफलाइन टिकट लेने वाले यात्रियों को भी यात्रा बीमा की सुरक्षा दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के कड़े निर्देशों का पालन करते हुए रेलवे बोर्ड इस ऐतिहासिक व्यवस्था को 27 अक्टूबर 2026 से देशभर में लागू करने जा रहा है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य ऑफलाइन और ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले यात्रियों के बीच सुरक्षा भेदभाव को पूरी तरह खत्म करना है।

डिजिटल और ऑफलाइन यात्रियों के बीच असमानता होगी खत्म: अब तक यात्रा बीमा की यह सुविधा केवल इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले यात्रियों को ही मिलती थी। बुकिंग के दौरान वे मामूली प्रीमियम देकर बीमा का विकल्प चुन सकते थे। इसके विपरीत, जो यात्री इंटरनेट, स्मार्टफोन या डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं करते और घंटों लाइन में लकड़ रेलवे काउंटर से टिकट खरीदते थे, वे इस सुरक्षा कवच से



पूरी तरह वंचित रह जाते थे। सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख के बाद रेलवे ने इस नीतिगत अंतर को पाटने का निर्णय लिया है।

45 पैसे में 10 लाख का सुरक्षा कवच, काउंटर टिकट के लिए नियम जल्द: आईआरसीटीसी के मौजूदा ऑनलाइन यात्रा बीमा योजना के तहत प्रत्येक यात्री से टैक्स सहित महज 45 पैसे का प्रीमियम लिया जाता है। इसके एवज में किसी भी रेल दुर्घटना या अप्रिय घटना में यात्री की मृत्यु होने अथवा स्थायी रूप से पूर्ण विकलांगता आने पर 10 लाख रुपये तक की बीमा राशि का प्रावधान है। काउंटर टिकटों के लिए प्रीमियम राशि का संग्रह, अनिवार्य दस्तावेज और क्लेम की प्रक्रिया कैसे काम करेगी, इसको

लेकर रेलवे जल्द ही एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया और आधिकारिक अधिसूचना जारी करेगा।

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी चेतावनी: 27 अक्टूबर तक हर हाल में लागू हो आदेश: यह महत्वपूर्ण निर्देश सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने जून 2023 के ओडिशा ट्रेन हादसे से जुड़ी रेल सुरक्षा याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया था। शीर्ष अदालत ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई थी कि पूर्व में दिए गए आश्वासनों के बावजूद रेलवे प्रशासन ने ऑफलाइन टिकट धारकों को बीमा कवर देने में हीलाहवाली की। कोर्ट ने रेलवे बोर्ड को दो हफ्ते की मोहलत देते हुए 27

अक्टूबर तक की सख्त समय सीमा तय की है और चेतावनी दी है कि यदि समय पर व्यवस्था लागू नहीं हुई, तो रेलवे बोर्ड के शीर्ष अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

समाज के अंतिम छोर के यात्रियों के लिए जीवनरक्षक साबित होगा फैसला: रेलवे का यह निर्णय देश के ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के उन यात्रियों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जिनकी पहुंच डिजिटल सेवाओं तक सीमित है और वे आज भी रेलवे स्टेशनों के टिकट काउंटरो पर निर्भर हैं। इस नए नियम से समाज के हर वर्ग के यात्री को यात्रा के दौरान एक समान वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा का भरोसा मिलेगा।

वांछित रहे हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अल-कायदा प्रतिबंध व्यवस्था, जिसे 1267 प्रतिबंध व्यवस्था के नाम से जाना जाता है, का हवाला देते हुए कहा कि दाऊद इब्राहिम को सूचीबद्ध किए जाने के कारणों में उससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयें दर्ज हैं। भारत का कहना है कि रिपोर्ट में इन तथ्यों का उल्लेख नहीं किया गया, जो गंभीर चूक है।

रघु पुरी ने कहा कि दाऊद इब्राहिम वर्ष 2003 में संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने से काफी पहले भारत छोड़ चुका था। उन्होंने दावा किया कि देश से बाहर रहने के दौरान उसे अल-कायदा और ओसामा बिन लादेन से कथित संबंधों के आधार पर सूचीबद्ध किया गया था। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि इस महत्वपूर्ण तथ्य को नजरअंदाज करना खेदजनक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विशेष अधिकार प्राप्त पदों पर बैठे लोगों की ऐसी लापरवाही संयुक्त राष्ट्र की साख को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। भारत की आपत्ति का मुख्य आधार यही है कि किसी आपराधिक संगठन की

भौगोलिक पहचान और उसके प्रमुख की गतिविधियों से जुड़े तथ्यों को सही संदर्भ में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, खासकर तब जब मामला अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और प्रतिबंधों से संबंधित हो। अपने बयान में रघु पुरी ने संयुक्त राष्ट्र की सूची में दर्ज जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि दाऊद इब्राहिम उसी देश में छिपा हुआ है, जहां अल-कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन मिला था और बाद में मारा गया था। उनका स्पष्ट संकेत पाकिस्तान को और था।

गौरतलब है कि मई 2011 में अमेरिकी नौसेना की विशेष इकाई ने पाकिस्तान के एबटाबाद में एक अभियान चलाकर ओसामा बिन लादेन को मार गिराया था। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से इस मुद्दे को उठाते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में तथ्यात्मक सटीकता और जवाबदेही बेहद जरूरी हैं। भारत के मुताबिक, गलत तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट्स केवल संबंधित देशों की छवि को प्रभावित करती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर भरोसे को भी कमजोर कर सकती हैं।

फ्रांस में कर्फ्यू के बीच भारतीय दूतावास की सलाह: कहा- सतर्क रहें, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचें; बवाल क्यों?



लंदन: फ्रांस में जारी हिंसक प्रदर्शनों और कई शहरों में कर्फ्यू के बीच भारत ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पेरिस स्थित भारतीय दूतावास ने फ्रांस में रह रहे भारतीयों और वहां यात्रा करने की तैयारी कर रहे लोगों से सावधानी बरतने को कहा है। दूतावास ने प्रदर्शन वाली जगहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने के साथ स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

भारतीय दूतावास ने क्या-क्या कहा? : दूतावास ने बुधवार को जारी एडवाइजरी में कहा कि फ्रांस के कुछ इलाकों में लगाए गए कर्फ्यू को देखते हुए भारतीय नागरिक सतर्क रहें। उन्हें स्थानीय समाचारों और फ्रांस सरकार की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी गई है।

दूतावास की प्रमुख सलाह : प्रदर्शन वाली जगहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। फ्रांस सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूचनाओं से हालात की जानकारी लेते रहें।

पेरिस क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन से जुड़ी ताजा जानकारी के लिए आरएटीपी की वेबसाइट देखें। आपात स्थिति में पेरिस स्थित भारतीय दूतावास या मॉर्सिले स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास से संपर्क करें।

फ्रांस में विरोध प्रदर्शन की वजह क्या? : फ्रांस में सितंबर के आखिरी दिनों में छात्रों ने स्कूलों की खराब स्थिति, पर्याप्त संसाधनों की कमी और कक्षाओं में भीड़भाड़ के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किए थे। धीरे-धीरे यह आंदोलन व्यापक हो गया। महंगई, बढ़ती जीवनयापन लागत और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी चिंताओं को लेकर सरकार के खिलाफ भी विरोध तेज हो गया। प्रदर्शनों के दौरान लूटपाट, आगजनी और पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं।

सोने-चांदी में बड़ी गिरावट, चांदी 5,370 और सोना 1,768 रुपए टूटा

नई दिल्ली: सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार शुरू होते ही दोनों कीमती धातुओं के भाव फिसल गए। चांदी की कीमत में 5,000 रुपये से ज्यादा की गिरावट आई, जबकि सोना भी 1,700 रुपये से अधिक सस्ता हो गया। ताजा गिरावट के बाद चांदी का वायदा भाव 2.04 लाख रुपये प्रति किलोग्राम और सोने का भाव 1.44 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया।

चांदी की कीमतों में पिछले चार कारोबारी दिनों से गिरावट का सिलसिला जारी है। गुरुवार को इस गिरावट में और तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर 4 दिसंबर की एक्सपायरी वाली एक किलोग्राम चांदी का वायदा भाव कारोबार की शुरूआत में गिरकर 2,03,798 रुपये पर आ गया।

इससे पहले बुधवार को चांदी 2,09,168 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दोनों भावों की तुलना करें तो चांदी एक ही कारोबारी सत्र में 5,370 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई।

चांदी की कीमतों में आई गिरावट को उसके ऐतिहासिक उच्च स्तर से तुलना करके भी समझा जा सकता है। जनवरी के आखिरी सप्ताह में ८3 पर चांदी का वायदा भाव पहली बार 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंचा था और 4,20,048 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार किया था।

गुरुवार के 2,03,798 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव के आधार पर चांदी अपने रिकॉर्ड हाई से 2,16,250 रुपये नीचे आ चुकी है। यानी रिकॉर्ड स्तर से इसकी कीमत में लगभग आधे की गिरावट दर्ज की गई है। चांदी के साथ सोने की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। एमसीएक्स पर 4 दिसंबर की एक्सपायरी वाला 24 कैरेट सोने का वायदा भाव गुरुवार को कारोबार खुलते ही गिरकर 1,44,311 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

बुधवार को सोना 1,46,079 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस तरह पिछले बंद भाव के मुकाबले सोने की कीमत में 1,768 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई।



पलामू में गिर रही है विधि व्यवस्था : झारखंड क्रांति मंच

मेदिनीनगर : झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने मेदिनीनगर में प्रेस बयान जारी कर कहा है कि पलामू में हत्या व ब्लातकार जैसी गिरती विधि व्यवस्था की समस्या के लिए भ्रष्ट व अकर्मण्य पुलिस प्रशासन के लोग जिम्मेदार हैं,जिनका सारा ध्यान अवैध उगाही पर केन्द्रित है।



बयान में उन्होंने नावाबाजार थाना क्षेत्र के बसना ग्रामवासी शशि कुमार पासवान की पत्नी गीता देवी(35 वर्षीयां)की पूजा पंडाल से लौटते समय अपराधियों द्वारा अपहरण कर दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या की कड़ी निन्दा करते हुए कहा है कि नावाबाजार की भ्रष्ट पुलिस की निष्कृष्ट व अकर्मण्य कार्यशैली की वजह से यहां अपराधियों व बलात्कारियों का मनोबल काफी बढ़ गया है। पिछले दिनों जिस तरीके से तुकबेरा पेट्रोल पम्प के पास स्थित चौहान परिवार के घर में घुस कर अपराधियों द्वारा सर्वजीत चौहान की गोली मारकर हत्या कर दी गई,वह गिरती विधि व्यवस्था का परिचायक है।मनातु के तिलेश्वर सिंह व हुसैनाबाद के छोटे सिंह हत्याकांड समेत दर्जनों हत्याओं की बढ़ती श्रृंखला व पुलिस व जमीन माफियाओं के गठजोड़ से भूमि पर कब्जे की घटनाओं में वृद्धि से आरक्षी अधीक्षक श्री कपिल चौधरी जी की अकर्मण्यता साफ दिखाई पड़ती है। अगर पुलिस प्रशासन ने कार्यशैली में सुधार नहीं किया तो सड़क पर उतर कर उग्र विरोध किया जाएगा।

बयान के अंत में उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन जी व पलामू के उपायुक्त श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत से मुक्ति का गीता देवी के हत्यारों व बलात्कारियों को शीघ्र गिरफ्तार कर फांसी की सजा दिलाने,एक आश्रित को सरकारी नौकरी,20 लाख रुपए मुआवजा, गंभीर रूप से बिमारी दोनों बच्चों को निःशुल्क इलाज की व्यवस्था साथ ही नावाबाजार थाना के अकर्मण्य थाना प्रभारी श्री संजय प्रसाद यादव के शीघ्र तबादले की मांग किया है।

आईआरबी-10 में दो मिनट का मौन रखकर शहीद जवानों को किया गया याद



मेदिनीनगर : पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर बुधवार को आईआरबी-10 पलामू कैंप परिसर स्थित जीएलए कॉलेज परिसर में वीर शहीद पुलिस जवानों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान देश की सुरक्षा एवं सम्मान की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद पुलिसकर्मियों को दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित वाहिनी की पुलिस उपाधीक्षक सदीप सुमन ने कहा कि पुलिस की वीरों केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि अनुशासन, साहस, त्याग, निष्ठा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस वीरों की धारण करने वाला प्रत्येक जवान अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए सदैव तत्पर रहता है। आतंकवाद से मुकाबला हो, नक्सल विरोधी अभियान हो, आपदा की स्थिति हो या कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती, पुलिस के जवान हर परिस्थिति में देश और समाज की सेवा के लिए खड़े रहते हैं।

उन्होंने कहा कि कर्तव्य के मार्ग पर चलते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके आदर्शों पर चलने तथा देश और समाज की सुरक्षा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संदेश दिया गया।

जमशेदपुर में फिर छोटे भाई की चाकू से कर दी हत्या

जमशेदपुर : कदमा के रामजनमनगर में सोमवार शाम सन्नी का अपने बड़े भाई गणेश से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। दोनों के बीच हाथापाई भी हुई। गणेश ने अपने पिता राम बिरुआ को फोन कर सन्नी को जान से मारने की बात कही थी। इसके बाद दोनों भाइयों के बीच फिर विवाद हुआ, जिसमें गणेश ने सन्नी पर चाकू से कई वार कर दिए और मौके से फरार हो गया।

घायल सन्नी आदित्यपुर टोल ब्रिज के पास मिला। लोग उसे टीएमएच ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, सन्नी के शरीर पर चाकू के आठ गहरे घाव थे। पिता राम बिरुआ के बयान पर गणेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

दूसरी घटना मंगलवार देर रात करीब एक बजे आदित्यपुर में जियाड़ा गेट के सामने स्थित खाऊ गली में हुई। मानगो निवासी शेखर तिवर्ती आदित्यपुर शिव मंदिर दुगापूजा समिति के पंडाल में लाइटिंग का काम करने आया था। रात में वह अपने साथी गोलू के साथ फास्ट फूड टेले पर वेज रोल खाने पहुंचा। ऑर्डर मिलने में देरी को लेकर दुकानदार और शेखर के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। विवाद बढ़ने पर शेखर और गोलू ने फोन कर पूजा समिति के सदस्यों को बुलाया। समिति सदस्य सन्नी मौके पर पहुंचा। इस दौरान दुकानदार और उसके कर्मचारियों ने चाकू से हमला कर दिया। बीचबचाव करने पहुंचे सागर झा और अरुण पांडे पर भी चाकू से वार किए गए। घटना में शेखर समेत चार युवक घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया, जहां शेखर की मौत हो गई। पुलिस ने चार आरोपियों मनोज बरुआ, मोहित बरुआ, मुक्ति बरुआ और रश्मि बरुआ पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

परसूडीह में युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान

जमशेदपुर : परसूडीह के नामोटोला में मंगलवार देर रात अभिरूप दास (19) ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह परिवार का इकलौता बेटा था। घटना के समय उसकी मां कमरे में पहुंचीं, तो उसे पंखे से लटक पाया। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। परसूडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिवजनों को सौंप दिया गया।

हुसैनाबाद में नम आंखों से मां दुर्गा को दी गई विदाई, जयकारों के बीच निकला विसर्जन जुलूस

सोन नदी व विभिन्न जलाशयों में विधि-विधान के साथ विसर्जित की गई प्रतिमाएं, सुरक्षा को लेकर प्रशासन मुस्तैद रहा पुलिस-प्रशासन

मेट्रोरेज संवाददाता
मेदिनीनगर : शारदीय नवरात्र के समापन के बाद विजयादशमी के अवसर पर हुसैनाबाद शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का नम आंखों से विसर्जन किया गया। मंगलवार को विभिन्न पूजा समितियों की ओर से गाजे-बाजे, ढोल-ताशे और ढीजे की धुन के बीच भव्य विसर्जन जुलूस निकाला गया। मां दुर्गा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। जुलूस में शामिल श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए, वहीं मां की विदाई के समय कई भक्तों की आंखें नम हो गईं।शहर की महावीर भी भवन दुर्गा पूजा समिति, नहर मोड़, कुर्मी टोला दुर्गा पूजा समिति, युवा बाल संघ स्टेशन परिसर, जपला फैक्ट्री बाबू लाइन सहित देवरी खुर्द, सोनपुरवा, बराही धाम, दंगवार समेत विभिन्न स्थानों की पूजा समितियों की



ओर से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने सोन नदी सहित विभिन्न जलाशयों में विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। कई स्थानों पर देर रात तक विसर्जन का सिलसिला जारी रहा। विसर्जन जुलूस के दौरान जपला निवासी एवं काड़ड़ा मिल मालिक कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने जुलूस में शामिल लोगों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

सुख समृद्धि की कामना के साथ मां को दी विदाई नौ दिनों तक चले शारदीय नवरात्र के समापन के साथ मां दुर्गा की विदाई हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां से अपने परिवार की सुख-समृद्धि, निरोग जीवन और समाज में खुशहाली की कामना की। भक्तों ने अगले वर्ष मां के पुनः आगमन की उम्मीद के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी। विसर्जन के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति, उत्साह और

भावुकता का माहौल देखने को मिला। प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और विसर्जन जुलूस के निर्धारित मार्गों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। इस दौरान एसडीएम समीर अल्फ्रेंड मुर्मू, एसडीपीओ दिव्याश शुक्ला, अंचल

अधिकारी पंकज कुमार, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार, महिला थाना प्रभारी मुन्नी कुमारी, देवरी ओपी प्रभारी राजू गुप्ता तथा एसआई विमल कुमार, छात्रधारी कुमार और रामेश्वर बारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान सक्रिय रहे।

विसर्जन के दौरान जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने लिया हिस्सा विसर्जन जुलूस में नगर पंचायत अध्यक्ष अजय भारती,उपाध्यक्ष सुनील चौधरी, पूर्व बसपा प्रत्याशी शेर अली, लोकनाथ केशरी, राजेंद्र पाल, जितेंद्र रावत, श्रवण अग्रवाल, गयासुद्दीन सिद्दीकी, उदय सोनी, सुबोध कश्यप, राजेश सिंह,अविनाश कश्यप, प्रदीप पटेल, गौतम पटेल, उदय विश्वकर्मा और अजय प्रसाद गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी शामिल हुए। इसके अलावा नहर मोड़ पूजा कमिटी के अध्यक्ष राजकुमार चंद्रवंशी, चार धाम अध्यक्ष अजित कुमार, बाबू लाइन दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष नीरज गुप्ता, सचिव सचिन शर्मा, मीडिया प्रभारी मोहसिन खान, संचक मनोज भारती, कृष्णकांत अवस्थी, मन्नु पांडेय, पूर्व मुखिया रामाशंकर चौधरी, समाजसेवी आरजू खान, रविशंकर राम और मोहम्मद मजरह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विसर्जन जुलूस में भाग लिया।

अवधेश कुमार सिंह के असामयिक निधन पर झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ ने जताया गहरा शोक

मेट्रोरेज संवाददाता
हुसैनाबाद (पलामू) : पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में बुधवार को शाम हुए दर्दनाक रेल हादसे में 76 वर्षीय सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक एवं हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी श्री अवधेश कुमार सिंह के निधन पर झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। वे सहायक शिक्षक श्री संजीव कुमार सिंह के पिता तथा पलामू जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष भी थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्री अवधेश कुमार सिंह बुधवार को शाम लगभग सात बजे जपला बाजार से बाइक द्वारा अपने घर महवरी डिहरी लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के निकट रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय उनकी बाइक रेलवे लाइन पर फंस गई, जिससे वे दर्दनाक रेल हादसे का शिकार हो गए। उनके आकस्मिक निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में रहा उल्लेखनीय योगदान श्री अवधेश कुमार सिंह हुसैनाबाद क्षेत्र में एक

अनुभवी एवं सम्मानित शिक्षक तथा प्रधानाध्यापक के रूप में पहचाने जाते थे। उन्होंने अपने सेवाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सामाजिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। उनके निधन से हुसैनाबाद क्षेत्र ने एक अनुभवी शिक्षाविद् एवं सामाजिक जीवन के सक्रिय व्यक्तित्व को खो दिया है। उनका निधन शिक्षा एवं सामाजिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ ने व्यक्त की संवेदना झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव श्री बलजीत कुमार सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि, ₹श्री अवधेश कुमार सिंह एक समर्पित शिक्षक एवं कुशल प्रधानाध्यापक थे। उन्होंने अपने सेवाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया और सेवानिवृत्ति के बाद भी सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों में सक्रिय रहे। उनका आकस्मिक निधन अत्यंत दुःखद है। उनके निधन से हुसैनाबाद क्षेत्र ने एक अनुभवी शिक्षाविद् एवं सामाजिक व्यक्तित्व को खो दिया है। संघ इस दुःख की

घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। संघ के हैदरनगर प्रखंड अध्यक्ष श्री गौतम प्रसाद एवं हुसैनाबाद के श्री प्रवीण राय ने भी श्री अवधेश कुमार सिंह के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकसंतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके अतिरिक्त, हैदरनगर, हुसैनाबाद एवं मोहम्मदगंज प्रखंडों के झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ के सदस्यों ने भी उनके असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। संघ के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ दिवंगत श्री अवधेश कुमार सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है तथा उनके पुत्र श्री संजीव कुमार सिंह सहित समस्त शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दे।

राष्ट्रपति 29 को करेगी रायरंगपुर स्टेशन का उद्घाटन

जमशेदपुर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 और 29 अक्टूबर को ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर मयूरभंज जिले में रहेंगी। ओडिशा की मुख्य सचिव अनु गंग की बैठक में राष्ट्रपति का कार्यक्रम निर्धारित हुआ है। इससे 28 अक्टूबर को राष्ट्रपति अपने घर में रहने के साथ ही आसपास के मंदिरों में दर्शन करने के

साथ स्वास्थ्य जांच शिविर में शामिल होंगी। अब 28-29 अक्टूबर की तारीख तय की गई है। 29 को राष्ट्रपति रायरंगपुर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक नए हॉस्टल की घोषणा करेंगी, एक मल्टी-स्कूल डेवलपमेंट सेंटर का दौरा करने के साथ रायरंगपुर और बादाम पहाड़ स्टेशनों पर मुस्कान लाना

संवाददाता
जमशेदपुर : शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था 'प्रयत्न' द्वारा बमामाईंस स्थित हिंद आश्रम में विशेष भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य पर्व के पावन दिन समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग के लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाना

और उनके साथ खुशियां साझा करना था।इस मानवीय पहल की गरिमा बढ़ाने के लिए जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने कर-कमलों से आश्रम के जरूरतमंद लोगों को भोजन परोसा और इस सराहनीय कार्य के लिए 'प्रयत्न' संस्था की पूरी टीम

की भूरि-भूरि प्रशंसा की।विधायक सरयू राय ने कहा कि त्योहारों का असली आनंद तभी है जब हम समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक खुशियां और सहायता पहुंचा सकें। विजयादशमी के शुभ अवसर पर यह अनुष्ठान अत्यंत प्रेरणादायक है।

सच्चिदानंद त्रिपाठी : विधि, लोकतंत्र और समाजसेवा की अमिट विरासत

प्रतिभा जब जनसेवा से जुड़ती है, तो व्यक्ति नहीं-एक परंपरा जन्म लेती है

हृदयानंद मिश्र
भारतीय सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी पूंजी केवल राजनीतिक पद, पेशेवर सफलता या सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं होती। वास्तविक मूल्य उस जीवन का होता है, जो अपनी प्रतिभा को समाज के व्यापक हित के लिए समर्पित कर दे। स्वर्गीय श्री सच्चिदानंद त्रिपाठी इसी श्रेणी के व्यक्तित्व थे। वे एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनकर्ता और शिक्षा-प्रेमी व्यक्ति के रूप में अविभाजित बिहार के सार्वजनिक जीवन में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रहे। उनके जीवन की विशेषता यह थी कि विधि, राजनीति, शिक्षा और समाजसेवा—इन चारों क्षेत्रों को उन्होंने अलग-अलग खांकों में नहीं देखा, बल्कि इन्हें जनकल्याण के एक ही उद्देश्य से जोड़ा। 27 अगस्त 1925 को पलामू जिले के रजवाडीह गांव व जन्मे सच्चिदानंद त्रिपाठी ने एक संस्कारवान पारिवारिक परिवेश से अपनी जीवन-यात्रा शुरू की। अध्ययन के प्रति उनकी गहरी रुचि और

असाधारण प्रतिभा ने उन्हें आगे बढ़ाया। पटना विश्वविद्यालय से बी.ए. तथा एल.एल.बी. की शिक्षा प्राप्त करने के साथ उन्होंने विधि की शिक्षा में स्वर्ण पदक अर्जित किया। यह उपलब्धि केवल उनकी मेधा का प्रमाण नहीं थी, बल्कि उस अनुशासन और परिश्रम की भी परिचायक थी, जिसने आगे चलकर उनके पूरे सार्वजनिक जीवन को दिशा दी। 14 अप्रैल 1950 को उन्होंने डालटनगंज में पलामू जिला बार एसोसिएशन के माध्यम से अधिवक्ता के रूप में अपनी अधिवक्ता के रूप में उनकी प्रतिष्ठा बनी। वे मुकदमे को महज कानूनी दांव-पेंच नहीं मानते थे; उनके लिए उसके पीछे किसी व्यक्ति का जीवन, सम्मान और न्याय की अपेक्षा होती थी। यही दृष्टिकोण उनकी वकालत को पेशे से आगे बढ़ाकर सामाजिक दायित्व का स्वरूप देता था। विधि के क्षेत्र में उनकी कार्यक्षमता पलामू इन चारों क्षेत्रों को उन्होंने अलग-अलग खांकों में नहीं देखा, बल्कि इन्हें जनकल्याण के एक ही उद्देश्य से जोड़ा। 27 अगस्त 1925 को पलामू जिले के रजवाडीह गांव व जन्मे सच्चिदानंद त्रिपाठी ने एक संस्कारवान पारिवारिक परिवेश से अपनी जीवन-यात्रा शुरू की। अध्ययन के प्रति उनकी गहरी रुचि और

विधिक प्रैक्टिस जारी रही और जीवनपर्यंत वे न्यायिक क्षेत्र में सक्रिय रहे। लेकिन सच्चिदानंद त्रिपाठी की पहचान केवल अदालत तक सीमित नहीं थी। 1962 से 1967 तक डालटनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र से स्वतंत्र पार्टी के विधायक के रूप में उन्होंने लोकतांत्रिक राजनीति में भी अपनी भूमिका निभाई। यह उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष था। एक ओर वे अदालत में विधि और न्याय के प्रश्नों पर अपनी बात रखते थे, तो दूसरी ओर विधानसभा के माध्यम से जनता की आकांक्षाओं को लोकतांत्रिक मंच प्रदान करते थे। यही कारण है कि उनका जीवन हमें यह समझाता है कि विधि और राजनीति एक-दूसरे के विरोधी क्षेत्र नहीं हैं। यदि दोनों के केंद्र में न्याय, संविधान और जनहित हो, तो एक विधिवेत्ता लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक मजबूत बना सकता है। उनका सार्वजनिक दृष्टिकोण सामाजिक संगठन के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। वर्ष 1984 में उन्होंने ब्राह्मण समाज के संगठनात्मक विकास में भूमिका निभाई और सामाजिक सहयोग तथा सामुदायिक नेतृत्व को मजबूत करने का प्रयास किया। उनकी सक्रियता केवल व्यक्तिगत प्रतिष्ठा अर्जित करने तक सीमित नहीं रही; वे सामाजिक संगठन को सामूहिक उन्नति का माध्यम मानते थे।

शिक्षा के प्रति उनका समर्पण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वर्ष 1974 में उन्होंने अपने पिता स्वर्गीय श्री रामधारी तिवारी की स्मृति में राजवाडीह में उच्च विद्यालय की स्थापना की। किसी विधायक की स्थापना केवल एक भवन खड़ा करना नहीं होती। वह आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का द्वार खोलना होता है। सच्चिदानंद त्रिपाठी ने अपने पिता की स्मृति को शिक्षा के प्रसार से जोड़कर यह संदेश दिया कि स्मृति तभी सार्थक होती है, जब वह समाज के भविष्य को बेहतर बनाने का माध्यम बने। उनकी प्रतिभा और कार्यक्षेत्र की व्यापकता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि 1981 में सिंगापुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विधि सम्मेलन में उन्होंने बिहार का प्रतिनिधित्व किया। यह पलामू और बिहार के लिए गौरव की बात थी कि क्षेत्रीय स्तर से उभरा एक विधिवेत्ता अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहा था। 8 मार्च 1987 को उनका निधन हुआ। जीवन अपेक्षाकृत लंबा न होते हुए भी उन्होंने जिन क्षेत्रों को स्पर्श किया, वहां अपनी ऐसी छाप छोड़ी जो आज भी स्मरणीय है। उनकी पुण्यतिथि पर उनके नाती वरिष्ठ क्रिमिनल एडवोकेट शशि भूषण ढुबे के द्वारा प्रत्येक वर्ष 12 अधिवक्ताओं को सम्मानित कर श्रद्धांजलि

समारोह आयोजित किए जाने की परंपरा इस बात का प्रमाण है कि किसी व्यक्ति की वास्तविक विरासत उसके जाने के बाद भी समाज की स्मृति में जीवित रहती है। सच्चिदानंद त्रिपाठी का जीवन आज की पीढ़ी के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसमें प्रतिभा के साथ कर्तव्य, पेशे के साथ नैतिकता और उपलब्धि के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। आज जब सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत उपलब्धि को ही सफलता का अंतिम पैमाना मान लेने का खतरा बढ़ रहा है, तब सच्चिदानंद त्रिपाठी जैसे व्यक्तित्व हमें याद दिलाते हैं कि मनुष्य की असली उर्चाई इस बात से तय होती है कि उसने अपनी योग्यता का कितना हिस्सा समाज को लौटाया। पलामू की धरती ने अनेक ऐसे व्यक्तित्व दिए हैं, जिन्होंने अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर इतिहास में स्थान बनाया। सच्चिदानंद त्रिपाठी उसी गौरवशाली परंपरा की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी स्मृति को केवल श्रद्धांजलि तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उनके जीवन-मूल्यों—न्याय, शिक्षा, लोकतांत्रिक आस्था, सामाजिक उत्तरदायित्व और कर्तव्यनिष्ठा—को नई पीढ़ी तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।